सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 226 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 30 मई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

दुर्ग सहित दो संभागों में लू का अलर्ट जारी, सात जिलों में पारा 45 डिग्री के पार

रायपुर। नौतपा का आज छठवां दिन है। छत्तीसगढ़ में तेज धूप के साथ भीषण गर्मी पड़ रही है। आने वाले दो दिनों तक मौसम ऐसे ही बने रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने तीन संभाग में लू का अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, वहीं छह जिलों में न्यूनतम तापमान 30 डिग्री तक रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, 30 मई तक उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों में एक दो स्थानों पर लू के साथ ही रात में गर्म हवाएं चलने की संभावना है। इसके साथ ही प्रदेश में दो दिनों तक अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। उसके बाद अधिकतम तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है।

इन जिलों में लू की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के रायगढ़, राजनंदगांव, रायपुर, बलौदाबाजार, दुर्ग, बिलासपुर, बेमेतरा, मुंगेली, कोरबा, सक्ती, बालोद, कबीरधाम और सरगुजा संभाग के जिला में एक दो जगह पर लू चलने की संभावना है। साथ ही रात के समय गर्म हवाएं चलने की संभावना है।

सरकार बनते ही पहले 25 दिन में युवाओं के लिए होगा काम- मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के होशियारपुर में आज लोकसभा चुनाव 2024 की आखिरी रैली को संबोधित किया। इस रैली में उन्होंने भ्रष्टाचार की जननी बताते हुए कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि कांग्रेस ने भ्रष्टाचार में डबल पीएचडी कर ली है। उन्होंने आम आदमी पार्टी को भी नहीं बख्शा। पीएम मोदी ने कहा कि अब तो कांग्रेस के साथ एक और कट्टर भ्रष्टाचारी पार्टी भी जुड़ गई है। इसके अलावा उन्होंने 125 दिनों का एजेंडा भी पेश किया। पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, कि सरकार बनते ही तीसरे टर्म में 25 दिन विशेष तौर पर युवाओं के लिए केंद्रीत किए गए हैं। अगले 5 साल में कौन से बड़े निर्णय लेने हैं इसकी भी रूपरेखा खींची जा चुकी है।

दुर्ग संभाग पर किसका कब्जा?

तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों का गढ़ रहे दुर्ग संभाग का मिजाज है इस बार चौंकाने वाला

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। दुर्ग संभाग में लोकसभा की कुल जमा ढाई सीटें आती है। इनमें दुर्ग और राजनांदगांव के 17 विधानसभा क्षेत्रों के अलावा कांकेर के तीन विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। अविभाजित मध्यप्रदेश और फिर छत्तीसगढ को तीन-तीन मुख्यमंत्री देने वाले दुर्ग संभाग का मिजाज इस बार राजनीतिक दलों को चौंका सकता है। भले ही प्रत्याशी और पार्टियां अपनी-अपनी जीत के दावे-प्रतिदावे कर रहे हों, परंतु असल बात चेहरों और मुद्दों पर आकर टिक जाती है। नतीजों को अब ज्यादा वक्त नहीं है, लेकिन इससे पहले कयासों में ही प्रत्याशी की जीत-हार के दावे किए जा रहे हैं। दरअसल, कांकेर समेत दुर्ग और राजनांदगांव में इस बार कड़ा मुकाबला हुआ है और स्थितियां ऐसी हैं कि जीत का ऊंट किसी भी करवट बैठ सकता है। इससे सबसे ज्यादा चिंता में सत्तारूढ़ दल है, जिसके नेता लगातार सभी 11 सीटें जीतने का दावा कर रहे हैं।

यह अजब संयोग ही था कि अविभाजित मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे स्व. मोतीलाल वोरा को कांग्रेस पार्टी ने राजनांदगांव सीट से चुनाव लड़वाया। वोरा पहली बार जीते लेकिन दूसरी बार वे इसी सीट पर डॉ. रमन सिंह से हार गए। यही डॉ. रमन जीत के बाद केन्द्र सरकार में मंत्री बनाए गए और मंत्री पद छोड़कर प्रदेश संगठन संभालने लौट आए। विधानसभा चुनाव हुआ तो पार्टी ने उन्हें मुख्यमंत्री के पद से नवाजा। यानी दो पूर्व मुख्यमत्रियों के भाग्य का फैसला राजनांदगांव ने किया। मजे की बात है कि 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री बनने वाले भूपेश बघेल के भाग्य का फैसला भी इस बार वही राजनांदगांव करने जा रहा है। कुछ अरसा पहले वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा का निधन हो गया था। जबकि तीन बार के मुख्यमंत्री रहे डॉ. रमन सिंह वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष के पद पर विराजमान हैं।

सामाजिक समीकरण में कितना दम

दुर्ग लोकसभा क्षेत्र की चर्चा करें तो यहां सामाजिक व जातीय समीकरण सदैव हावी रहे हैं। इसलिए इस बार के नतीजे भी इसी आधार पर तय होंगे कि सामाजिक वोटों का कितना केन्द्रीयकरण हो पाया। इस लोकसभा क्षेत्र में साहू समाज का बाहुल्यता है, जबकि दूसरे नंबर पर कुर्मी हैं। यह कोई संयोग नहीं है कि भाजपा ने अपने उस निवृत्तमान सांसद विजय बघेल को फिर से मैदान में उतारा है, जो कुर्मी समाज से आते हैं। इससे आगे बढ़कर कांग्रेस ने बड़ा दांव खेलते हुए साहू समाज के राजेन्द्र साहू को उतारकर माहौल को पूरी तरह से गरमाया। इस लोकसभा चुनाव में इस बार की चर्चा बार-बार होती रही कि साहू समाज किसके पक्ष में है? दरअसल, यह समाज एकजुट होकर वोट करता रहा है और इसी एकजुटता के चलते नतीजे भी तय होते हैं। आमतौर पर माना जाता रहा है कि साहू समाज भाजपा के साथ खड़ा रहता है, लेकिन 2014 में जब कांग्रेस ने ताम्रध्वज साहू पर दांव लगाया तो उन्होंने एकतरफा जीत हासिल की थी। भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल दावा करते रहे हैं कि साहू समाज उनके साथ हैं। जबकि कांग्रेस के राजेन्द्र साहू कह चुके हैं कि साहू समाज अपने समाज के उम्मीदवार के साथ नहीं होगा तो किसके साथ होगा? कुल मिलाकर दुर्ग सीट पर हालात बेहद कश्मकश भरे हैं। माना जा रहा है कि साहू समाज के कुछ वोट जरूर छिटके हैं, लेकिन बहुधा वोटिंग सामाजिक एकजुटता के आधार पर ही हुई है। वहीं कुर्मी समाज के वोट भी काफी संख्या में कांग्रेस के पक्ष में इसलिए पड़े हैं, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल स्वयं कुर्मी हैं। राजेन्द्र साहू को बघेल के सबसे करीबी लोगों में गिना जाता है।

उनके गढ़ से भाजपा ने संतोष पाण्डेय को दूसरी बार प्रत्याशी बनाया है। पाण्डेय को डॉ. रमन का करीबी माना जाता है। ऐसे में सीधे तौर पर राजनांदगांव में दो पूर्व मुख्यमंत्रियों की प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है।

राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्रांतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों की बात करें तो भाजपा बेहद कमजोर नजर आती है, लेकिन विधानसभा और लोकसभा के चुनाव अलग-अलग मुद्दों के आधार पर लड़े जाते हैं। शायद यही वजह है कि 2018 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी तो उसके अगले ही साल हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 11 में से 9 सीटों पर कब्जा जमाया था। दुर्ग संभाग में लोकसभा के नतीजों को लेकर इस बार भारी कश्मकश के हालात हैं। दुर्ग सीट को भाजपा जीता हुआ मानकर चल रही है तो कांग्रेस को यहां कड़े संघर्ष की उम्मीद है। जबकि राजनांदगांव सीट पर हालात इसके ठीक उलट हैं। इस सीट को कांग्रेस जीता हुआ मान कर चल रही है तो भाजपा कड़ी टक्कर की संभावना जता रही है। हालांकि भाजपा के तमाम प्रादेशिक नेता राज्य की सभी 11 सीटों पर जीत के दावे कर रहे हैं। इसके विपरीत कांग्रेस इस उम्मीद में है कि इस बार वह भाजपा से ज्यादा सीटें जीतने जा रही है। कांकेर सीट पर भी कांग्रेस की उम्मीदों भरी निगाहें टिकी हुई है। दुर्ग संभाग में आने वाली कांकेर की तीनों विधानसभा सीटों संजारी बालोद, डौंडीलोहारा और गुंडरदेही पर कांग्रेस का ही कब्जा है।

किसके लिए निर्णायक होंगी कांकेर की 3 सीटें

कांकेर लोकसभा क्षेत्र की 3 विधानसभा सीटें दुर्ग संभाग में शामिल हैं। इनमें संजारी बालोद, आदिवासी आरक्षित डौंडीलोहारा व गुंडरदेही शामिल है। इन तीनों सीटों पर पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने कब्जा जमाया था। बावजूद इसके कि राज्य में भाजपा की सरकार बनी। भाजपा ने यहां से इस बार भोजराज नाग को तो कांग्रेस ने बिरेश ठाकुर को लोकसभा का उम्मीदवार बनाया। सिर्फ इन 3 सीटों का मिजाज कसौटी पर रखें तो भाजपा के लिए स्थिति चिंतनीय है। वास्तव में कांकेर लोकसभा सीट उन कुछ गिनी-चुनी सीटों में शुमार है, जहां कांग्रेस को जीत की पूरी-पूरी उम्मीद है। भाजपा यहां कड़ी टक्कर मानकर चल रही है। राजनीतिक दलों की समीक्षा और आम लोगों के कयासों के बीच नतीजों तक फिलहाल पहुंचना जल्दबाजी हो सकती है। मतदाताओं ने अपना निर्णय दे लिया है। प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 4 जून को हो जाएगा। तभी यह स्पष्ट हो पाएगा कि किसके दावे में कितना दम है।

दो पूर्व सीएम की प्रतिष्ठा का प्रश्न

छत्तीसगढ़ की 11 सीटों में सबसे ज्यादा हॉट सीट राजनांदगांव की ही है। यहां की राजनांदगांव विधानसभा सीट से डॉ. रमन विधायक चुने गए और वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष हैं। वे यहां से सांसद रह चुके हैं। उनके पुत्र अभिषेक सिंह ने भी इसी लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया। भाजपा ने डॉ. रमन के करीबी संतोष पाण्डेय को दोबारा टिकट दिया तो उम्मीद की गई थी कि पार्टी इस सीट को आसानी से निकाल लेगी। लेकिन कांग्रेस ने पिछड़ा वर्ग का दाँव खेलते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को मैदान में उतार दिया। शुरूआती दौर में पिछड़ने के बाद बघेल ने अपने चुनाव अभियान का रूख ग्रामीण क्षेत्रों की ओर मोड़कर बाजी अपने पक्ष में करने की भरसक कोशिश की। अब वे अपनी कोशिश में कितना कामयाब होते हैं, यह तो 4 जून को ही पता चलेगा, लेकिन कांग्रेस की समीक्षा में यह सीट जीती हुई मानी गई है। राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र की 8 विधानसभा सीटों में से 5 पर कांग्रेस का कब्जा है। बघेल ने सर्वाधिक फोकस इन्हीं 5 सीटों पर किया था। लम्बे समय से भाजपा का गढ़ रही राजनांदगांव लोकसभा सीट पर पार्टी इस बार भी बड़ी जीत का दावा कर रही है। वहीं कांग्रेस, भाजपा के इस गढ़ पर इस बार सेंधमारी में कामयाब होने की उम्मीद संजोए है।

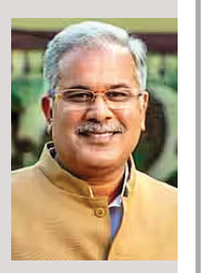

स्पेस स्टार्टअप अग्निकुल कॉसमॉस ने अग्निबाण एसओआरटीईडी-01 को सफलतापूर्व लॉन्च किया, इसरो ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को बताया है कि स्पेस स्टार्टअप अग्निकुल कॉसमॉस ने श्रीहरिकोटा स्थित अपने लॉन्च पैड से अग्निबाण (सबऑर्बिटल टेक डिमॉन्स्ट्रेटर) एसओआरटीईडी-01 मिशन को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित कर दिया है। इसरो ने प्रक्षेपण को 'एक प्रमुख मील का पत्थर' करार देते हुए अग्निकुल कॉसमॉस को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने कहा, अग्निबाण एसओआरटीईडी-01 मिशन के प्रक्षेपण पैड से सफल प्रक्षेपण के लिए अग्निकुल कॉसमॉस को बधाई। यह इंजन परीक्षण अग्निकुल के अपने डेटा अधिग्रहण प्रणालियों और उड़ान कंप्यूटरों द्वारा संचालित है, जो 100 प्रतिशत इन-हाउस डिजाइन किए गए थे। इसके अलावा, यह परीक्षण वाहन के संपूर्ण प्रणोदन प्रणाली को नियंत्रित करने के लिए SOrTeD वाहन की संपूर्ण एवियोनिक्स शृंखला की क्षमता को भी साबित करता है। लगभग 700 किमी ऊंची कक्षाओं में 300 किलोग्राम तक ले जाने में सक्षम, अग्निबाण निम्न और उच्च दोनों झुकाव कक्षाओं तक पहुंच सकता है और पूरी तरह से मोबाइल है। इसे 10 से अधिक लॉन्च पोर्ट तक पहुंचने के लिए डिजाइन किया गया है।

मिशन, उपग्रह और लॉन्च पोर्ट तय करेंगे कि कितने इंजन जाएंगे

अपने सभी चरणों में एलओएक्स/केरोसिन इंजन द्वारा संचालित, अग्निबाण ग्राहक द्वारा कॉन्फिगर करने योग्य है। मिशन, उपग्रह और लॉन्च पोर्ट ही तय करेंगे कि पहले चरण में कितने इंजन जाएंगे। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने अग्निकुल कॉसमॉस को सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र (एसडीएससी शार), श्रीहरिकोटा के भीतर अग्निकुल के अपने और भारत के एकमात्र निजी लॉन्चपैड से अपना पहला प्रक्षेपण सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए बधाई दी।

गंगरेल बांध: अच्छी बारिश की उम्मीद, दो टीएमसी रह गया है पानी

धमतरी। धमतरी जिले में गंगरेल बांध है, जहां लोग दूर-दूर से घूमने आते हैं। यह बांध करीब 12 से 13 साल बाद सूखे की मार झेल रहा है। 32.5 टीएमसी क्षमता वाला गंगरेल बांध सूखने के कगार पर है। वर्तमान में अब महज दो टीएमसी उपयोगी पानी शेष रह गया है, जो कुल क्षमता से मात्र 8 प्रतिशत ही है। इस बार मानसून समय पर दस्तक नहीं देता है और अच्छी वर्षा नहीं होती है तो इसका सीधा असर लोगों के जीवन पर पड़ेगा। साथ ही पेयजल जलापूर्ति में कटौती की जाएगी। गंगरेल बांध से राजधानी समेत आसपास के कई जिलों को इस बांध से पानी दिया जाता है। भविष्य में यदि अच्छी वर्षा नहीं होती है तो इन जिलों की भी परेशानी बढ़ेगी। क्योंकि इस भीषण गर्मी में प्यास बुझाने गंगरेल बांध में करीब 28.31 अरब लीटर पानी है, जो महज 80 दिन का पानी है। यही वजह है कि अब गंगरेल बांध प्रबंधन बीएसपी यानी भिलाई स्टील प्लांट को पानी देना बंद कर दिया है।

भारत-पाकिस्तान टी-20 विश्व कप मैच में हो सकता आतंकी हमला! ISIS से जुड़े संगठन ने दी धमकी

न्यूयार्क (एजेंसी)। 2 जून से शुरू हो रहे टी-20 विश्व कप होने वाले भारत-पाकिस्तान के मैच में आतंकी हमले का साया है। टी-20 विश्व कप के तहत 9 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम भारत-पाकिस्तान का हाईवोल्टेज मैच होने वाला है। इस मैच से पहले आईआईएस से जुड़े एक आतंकी संगठन ने वीडियो जारी कर 'लोन वुल्फ' हमले की धमकी दी है। न्यूयॉर्क पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने सुरक्षाकर्मियों को हाई अलर्ट करते हुए चेतावनी दी है।

ब्रिटिश अखबार 'एक्सप्रेस' ने सबसे पहले इस धमकी की खबर दी थी और कहा था कि आतंकी संगठन ने लंदन स्थित वेम्बले स्टेडियम (फुटबॉल स्टेडियम) समेत यूरोप के कई मैदानों को भी निशाना

बनाने की धमकी दी है। ISIS-K द्वारा ब्रिटिश चैट साइट पर पोस्ट किए गए वीडियो में आइजनहावर पार्क स्थित नासाउ क्रिकेट स्टेडियम की एक तस्वीर थी और वहां ड्रोन उड़ते दिखाई पड़ रहे थे। वीडियो में 9/6/2024 की तारीख का जिक्र था। उसी दिन भारत-पाकिस्तान टी20 विश्व कप मैच भी होना है।

धमकियों को नहीं कर सकते नजरअंदाज

नासाउ काउंटी के पुलिस आयुक्त पैट्रिक राइडर ने कहा कि वायरल वीडियो में इस आतंकवादी समूह ने 'लोन वुल्फ' के हमले की धमकी दी है। 'लोन वुल्फ' आतंकवादी संगठनों से जुड़े सदस्य हैं जो संगठनों से इजाजत लेकर स्वतंत्र रूप से काम करते हैं, जिससे उन्हें ट्रैक करना अधिक कठिन हो जाता है। मैच में सुरक्षा के लिए राइडर ने कहा कि अतिरिक्त पुलिस अधिकारियों को आइजनहावर पार्क स्थित क्रिकेट स्टेडियम में तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बड़े मैचों में भीड़ को देखते हुए ऐसी धमकियों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। खिलाड़ियों के साथ नागरिकों की सुरक्षा का सवाल है इसलिए हर एक की बारीकी से जांच की जाएगी।

इसलिए सफल है मोदी का अभियान

श्रीकंचनपथ

देश के सुदूर दक्षिण में तट से लगभग 500 मीटर की दूरी पर एक विशाल शिलाखण्ड है। इसे पहले 'श्रीपाद पराई' कहा जाता था। मान्यता है कि यहां स्वयं देवी श्री लक्ष्मी ने अपने चरण धरे थे। कन्याकुमारी ने इसी शिला पर तपस्या की थी। स्वामी विवेकानन्द ने भी ध्यान के लिए इसी शिला को चुना था। 24 से 26 दिसम्बर 1892 तक नरेन्द्र कुमार दत्त, बाद में स्वामी विवेकानन्द, ने यहां गहन ध्यान किया था। सन् 1963 में आयोजित विवेकानन्द जन्मशताब्दी वर्ष समारोह में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के तमिलनाडु प्रांत प्रचारक दत्ताजी दिदोलकर ने यहां विवेकानन्द स्मारक बनाने की इच्छा जाहिर की। ईसाइयों ने इस शिला पर अपना अधिकार जमाने और इसे सेंट जेवियर रॉक घोषित करने की कोशिशें भी शुरू कर दीं। इससे तनाव भी उत्पन्न हुआ और केन्द्र सरकार असमंजस में पड़ गई। तब आरएसएस के सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर ने सरकार्यवाह एकनाथ रानाडे को विवेकानन्द स्मारक के लिए समर्थन जुटाने की जिम्मेदारी सौंप दी। रानाडे 323 सांसदों के हस्ताक्षर समर्थन में जुटने में सफल रहे। स्मारक निर्माण के लिए चिन्मय मिशन से लेकर जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री शेख अब्दुल्ला समेत सभी राज्य सरकारों ने एक-एक लाख रुपए का दान किया। करीब 30 लाख लोगों ने एक रुपये से लेकर पांच रुपए तक की सहयोग राशि दान की। इस तरह से यह देश की पहली कार सेवा बन गई जिसमें सबके सहयोग से एक स्मारक का निर्माण किया गया। 2 सितम्बर 1970 को तत्कालीन राष्ट्रपति वीवी गिरी ने इसका औपचारिक उद्घाटन कर दिया और यह स्थल अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर उभर आया। अब यह स्थल एक बार फिर चर्चाओं में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसी शिला पर आज 30 मई से कल एक जून तक ध्यान लगाएंगे। लगभग 132 साल पहले स्वामी विवेकानन्द ने इसी शिला पर ध्यान लगाकर विकसित भारत का सपना देखा था। प्रधानमंत्री मोदी भी 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने की बात कह चुके हैं। पर अब विपक्ष ने इसे बिना बाद का मुद्दा बना लिया है। अदालत में याचिका दायर कर कहा गया है कि चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद के शांतिकाल में इस तरह की हरकत चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है। भई चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद आदमी कुछ तो करेगा। ध्यान लगाने से बेहतर और क्या हो सकता है? यदि कांग्रेस सहित इंडी गठबंधन को ऐसा लगता है कि इससे मोदी हिन्दू वोटों का ध्रुवीकरण करने में सफल हो जाएंगे तो यह तो विवाद खड़ा करने पर भी हो जाएगा। अब मोदी जी ध्यान करें या न करें, जो फायदा भाजपा को मिलना है वह तो मिल ही गया। दरअसल, सफल लोगों की यही पहचान है। जो बात अभी किसी के ख्याल तक में नहीं आई, उसकी वो योजना बना लेते हैं। न केवल योजना बना लेते हैं बल्कि उसपर चलने भी लगते हैं। हल्ला मचाने वाले खुद अपना ही नुकसान कर लेते हैं।

संपादकीय

गरमी और संवेदना

जब गरमी चरम पर हो, तब विशेष रूप से मजदूरों व मेहनतकश लोगों की चिंता सबसे जरूरी है। इस लिहाज से दिल्ली के उप-राज्यपाल वी के सक्सेना ने जो निर्देश दिया है कि निर्माण स्थलों पर काम करने वाले मजदूरों को दोपहर 12 से 3 बजे तक सवैतनिक अवकाश दिया जाए, उसकी सराहना की जानी चाहिए। दिल्ली में जब पारा 50 डिग्री के पार चला गया हो, तब मजदूरों के अनुकूल कदम उठाना और उनसे काम लेने वालों को उदारता के लिए पाबंद करना समय की मांग है।

> राष्ट्रीय राजधानी में भीषण गरमी के बावजूद अनेक ऐसे क्षेत्र हैं, जहां काम नहीं रुक सकता, पर कार्य के समय को मौसम के अनुरूप बनाया जा सकता है। जहां भी मजदूरों को धूप में काम करना पड़ रहा है, वहां यह नियम लागू होना चाहिए या काम के घंटों में परिवर्तन किया जाना चाहिए। पहले के दौर में किसान सुबह छह से ग्यारह बजे तक खेतों में काम करने के बाद लौट आते थे और शाम चार बजे के बाद ही वापस खेत में काम के लिए लौटते थे। किसी काम को पूरा करने के लिए यह कतई जरूरी नहीं कि जीवन को खतरे में डाला जाए।

प्रतिकूल मौसम में मजदूरों के अनुरूप नीतियों की पालना अनिवार्य है। आमतौर पर मजदूरों के बारे में नहीं सोचा जाता है। बड़ी संख्या में मजदूर विपरीत हालात में काम करते पाए जाते हैं। उनसे काम लेने वाले उनकी सहूलियत के बारे में रत्ती भर भी नहीं सोचते हैं। आज जब भारत के एक बड़े क्षेत्र में तापमान कुछ ज्यादा ही परेशान कर रहा है, तब दिल्ली की तरह ही दूसरे राज्यों की सरकारों को भी समाधान पर गौर करना चाहिए। दिल्ली विकास प्राधिकरण ने तो अपने मातहत कार्यरत मजदूरों को दिन में तीन घंटे का ब्रेक देने संबंधी व्यवस्था को पहले ही लागू कर दिया है। खास बात यह है कि यह व्यवस्था तब तक लागू रहेगी, जब तक पारा 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं आएगा। हालांकि, ऐसे मामलों में केवल निर्देश देना ही पर्याप्त नहीं है। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि निर्देश को सभी कंपनियां और ठेकेदार अपने दायरे में पूरी तरह से लागू करें। स्वयं मजदूरों को भी अपनी स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति सचेत होना चाहिए। चंद पैसों के लिए लू का शिकार होकर जीवन संकट में डालना सही नहीं है। उन्हें अपने आसपास पानी का इंतजाम भी करवाना चाहिए। अधिकारियों ने तो कागजी भलमनसाहत दिखाते हुए मजदूरों के लिए नारियल पानी तक का इंतजाम रखने के लिए कहा है, पर क्या तमाम कार्यस्थलों पर शीतल पेयजल भी उपलब्ध है? शहरों में बढ़ते तापमान से निपटने के लिए जल और छिड़काव की सबसे ज्यादा जरूरत है, पर क्या शहरों ने पर्याप्त पानी का इंतजाम कर लिया है? ऐसे इलाकों में क्या होगा, जो पेयजल के लिए भी तरस रहे हैं।

पेयजल का इंतजाम न होने की वजह से ही बिहार में अनेक स्कूलों में बच्चों के बीमार पड़ने की शिकायत सामने आई है। पहला सवाल तो यही है कि इतनी गरमी में स्कूल क्यों खुले हुए थे? जब पारा 42 के पार पहुंच जाए, तो स्कूल चलाना क्यों जरूरी है? देश में ज्यादातर स्कूल बंद हो गए हैं, तो बिहार में स्कूलों को खोलने और बच्चों को बुलाने की क्या मजबूरी थी? अगर भीषण गरमी में भी स्कूल चलाए जा रहे थे, तब उन स्कूलों में शीतल जल और बिजली से संचालित पंखों की व्यवस्था किसकी जिम्मेदारी थी? देश के जिन इलाकों में स्कूलों के पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं, उन्हें विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए, ताकि किसी भी बच्चे के बीमार पड़ने की नौबत न आए।

सामूहिक लापरवाही पर सामूहिक सजा मिलनी चाहिए

सुनील दास

देश के किसी भी राज्य में जिला प्रशासन से लेकर सरकारी विभाग के अधिकारियों की आपराधिक लापरवाही के चलते यदि किसी हादसे में बड़ा संख्या में लोग मरते हैं तो इसके लिए अधिकारियों को भी सजा मिलनी चाहिए और मंत्रियों को भी नही बख्शा जाना चाहिए। किसी भी राज्य में जानो-माल की रक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है, जिला प्रशासन की है तो यह तो देखा ही जाना चाहिए कि राज्य सरकार व जिला प्रशासन ने लापरवाही के चलते होने वाले हादसे रोकने के लिए कोई योजना बनाई या नहीं, योजना बनाई है तो उसके हिसाब से राज्य में भीड़ वाली जगहों पर जहां भी बड़े हादसे हो सकते हैं, जांच की गई है या नहीं। यह देखा गया है क्या कि वहां लोगों की सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था की गई है या नही।

हर सरकारी विभाग के अधिकारियों को हर साल एक पूरा शेडयूल बनाना चाहिए कि किस महीने कहां कहां हादसे रोकने के लिए क्या जांच की जाएगी। फैक्ट्री, माल, कोचिंग, टाकीज,मैरिज हाल,गेमिंग जोन आदि बहुत सी जगहें होती है, यहां हमेशा बड़ी संख्या में लोग रहते है, अगर इनकी नियमित हर साल जांच हो तो बहुत सारे बड़े हादसों को रोका जा सकता है। बहुत सारे लोगों की जान बचाई जा सकती है। बड़े हादसे होते ही इसलिए हैं कि हर स्तर पर आपराधिक लापरवाही होती है।इसके लिए किसी एक को दोषी मानकर सजा दे दी जाती है तथा उन लोगों को छोड़ दिया जाता है जो इस हादसे के लिए पर्दे के पीछे दोषी होते हैं। हर हादसे के पीछ सामूहिक लापरवाही होती है, हर हादसे को रोकने जैसे सामूहिक जिम्मेदीर है, वैसी ही हर बड़े हादसे के पीछे कई लोग होते हैं, सामूहिक लापरवाही के लिए सभी को न्यूनाधिक सजा मिलनी चाहिए। बड़े हादसे के लिए जो प्रत्यक्ष दोषी साबित होते है, उनको कड़ी सजा मिलनी चाहिए और जो अप्रत्यक्ष रुप से जिम्मेदार हैं, उनको कम सजा मिलनी चाहिए। ताकि वह फ़िर वैसी लापरवाही न करें।

चाहे राजकोट के गेमिंग जोन का हादसा हो, चाहे दिल्ली में नवजातों की मौत का मामला हो, चाहे इसके पहले मोरबी पुल हादसा हो, चाहे कोटिंग सेंटर में हुआ हादसा हो,चाहे बेमेतरा बारूद फैक्ट्री में हुआ हादसा हो। सरकार व जिला प्रशासन की नींद हादसे के बाद टूटती है और वह कुछ जगहों पर जांच की औपचारिकता पूरी कर बताती है कि वह सजग है। कहीं पर कोई बड़ा हादसा न हो तो जिला प्रशासन के अधिकासी सोए रहते है। जैसे गुजराते राजकोट के बच्चों के गेमिंग जोन में आग लगने से 28 लोगों की मौत हो गई तो रायपुर के अधिकारियों ने यहां के गेमिंग जोन में भी वही सुरक्षा संबंधी लापरवाही पाई गई यानी लोगों की जान बचाने के पर्याप्त इंतजाम ही नहीं थे। अगर आग लग जाए तो बाहर का कोई रास्ता ही नही। अगर राजकोट की घटना नहीं होता तो राजधानी के लोगों को पता ही नहीं चलता कि राजधानी के गेमिंग जोन भी असुरक्षित हैं।

जहां भी लोगों की भीड़ जुटती है, उनकी जान की सुरक्षा करना पहले तो उस जगह के मालिक की जिम्मेदारी है, प्रबंधन की है।उसके बाद वह जगह लोगों के लिए सुरक्षित है या नहीं यह जाच करना जिला प्रशासन व सरकारी विभाग का काम है। अगर कोई जगह असुरक्षित है तो उसकी जानकारी मीडिया के जरिए आम लोगों को दी जानी चाहिए ताकि वह ऐसा असुरक्षित जगहों पर न खुद जाएं और न ही बच्चों को ले जाए।कोचिंग,टाकीज, माल,गेमिंग जोन के मालिक के साथ जिला प्रशासन की भी जिम्मेदारी है कि सार्वजनिक स्थलों को हर तरह से सुरक्षित बनाया जाए। इसी साथ पालकों की भी जिम्मेदारी है कि जहां भी बहुत ज्यादा भीड़ होने की आशंका हो उनको अपने बच्चों को लेकर नहीं जाना चाहिए और जाते है तो उनको सबसे पहेल यह देखना चाहिए जगह कितनी सुरक्षित है। कोई हादसा हो जाए तो जान बचाने के क्या इंतजाम है। सरकार की तरह जज भी जब बड़ा हादसा हो जाता है तो खुद संज्ञान लेते है।उन्हें जो हादसा हो जाने के बाद कहना है, उसकी जगह वह भी शहर के सार्वजनिक स्थलों को देखने जा सकते हैं और देख सकते है, बता सकते है,यह जगह कितनी सुरक्षित है या कितनी असुरक्षित है। वह हादसे होने के बाद हादसे पर बोलने वाले बने रहते हैं। उन्हें भी जिला प्रशासन व सरकार की तरह हादसा होने से पहले हादसा रोकने वाला बनकर दिखाना चाहिए।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

दौलतमंदों का दागदार दामन समाज और शिक्षा पर सवाल

उस दिन मैं एक पूर्व नन के साथ बस में सफर कर रहा था। उसने हाल ही में कॉन्वेंट को अलविदा कहा था। अब उसे मस्ती करने से कोई नहीं रोक सकता था। उसने गाना और ताली बजाना शुरू कर दिया, वह कोशिश में लग गई कि बाकी लोग भी सुर में सुर मिलाएं। वह बाहर राहगीरों को भी आवाज देने लगी। इसके बावजूद आनंद न मिला, तो वह उलझन में पड़ गई।

मनु जोसेफ, पत्रकार और उपन्यासकार

वास्तव में, असंख्य भारतीय युवाओं की यही उलझन है। वे मौज-मस्ती की तलाश में निकलते हैं और निराशा हाथ लगती है। अंतत: अनेक युवाओं को मौज की तलाश में नशे के आगोश में जाना पड़ता है। लड़खड़ाना पड़ता है, गिरना पड़ता है। वास्तव में यह वही मिजाज है, जो मैं भारत में असाधारण रूप से अमीर युवाओं में देखता हूं। ऐसे युवा मौज-मस्ती के खनिकों जैसे दिखते हैं। आखिरकार, वे बस इतना ही कर सकते हैं कि नशे में धुत होकर 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गाड़ी चलाने लगें। कभी वे पैदल चलने वालों को कुचल देते हैं, तो कभी पीछे से टक्कर मार देते हैं,जैसा पुणे में हुआ। नशे में धुत्त 17 वर्षीय लड़के ने पिता की पोर्श कार से मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, दो लोगों की मौत हो गई। तब से भारत में बहुत लोग असमंजस में हैं कि उस किशोर के साथ क्या किया जाए? पहले उसे हादसे के 15 घंटे के भीतर जमानत पर रिहा कर दिया गया और बाद में लोगों के गुस्से की वजह से उसे वापस रिमांड पर ले लिया गया। किशोर का पिता विशाल अग्रवाल बिल्डर है, जिसके बारे में ऐसा लगता है कि उसने जानते-समझते हुए भी बेटे को कार दी। बाप ने बचने की बहुत कोशिश की, पर अंतत: उसे गिरफ्तार कर लिया गया, उसके दादा को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यहां कानूनी शब्दजाल से परे देखिए, वह किशोर ही नहीं, उसके खराब अभिभावक भी समाज के लिए खतरा बन जाने की वजह से गिरफ्तार कर लिए गए। वस्तुत: आज भारत के ज्यादातर अमीर परिवार ऐसे ही लोगों से भरे पड़े हैं।

हालांकि, भारत में ऐसे असाधारण अमीर हैं, जिनके घरों में बच्चों को अच्छी तरह से सिखाया जाता है कि वे अच्छा व्यवहार करें और लोगों को न कुचलें। हालांकि, साधारण अमीर बहुत अलग किस्म के होते हैं। वे अपने बच्चों को अपनी किस्मत पर इतराना सिखाते हैं और दूसरों के प्रति दया की सीख को जरूरी नहीं मानते हैं।

आप भारत के कुछ अमीरों के साथ बैठकर देखिए, सिर्फ यही सुनेंगे कि पैसे ने क्या खरीदा है और आगे क्या खरीदने वाला है। एक पीढ़ी ऐसे ही संवाद सुनकर बड़ी हुई है और यही मानती है कि अमीरों को अपनी किस्मत का ऐसे ही आनंद लेना चाहिए। वैसे, मेरा अनुमान है, धन से खरीदी जा सकने वाली सबसे अच्छी चीज बुद्धि ही है। बुद्धि की उत्पत्ति धन से होती है और यह अभी भी अमीरों की सर्वोत्तम सेवा करती है। बुद्धि या किसी बौद्धिक खोज के बिना अमीर लोग भौतिक चीजों में मनोरंजन तलाशने लगते हैं, जो दूसरों को सुलभ नहीं हैं। इस मांग के जवाब में, पूंजीवाद ने अति-अमीरों के लिए अनेक नकली उत्पादों का आविष्कार कर रखा है, पर जब उसमें भी मजा नहीं आता है, तब कुछ अमीर अजीबोगरीब हरकत करने लगते हैं और अंतत: निराश हो जाते हैं। ऐसे में, उन्हें अधिक से अधिक खरीदना होगा और ध्यान खींचने के लिए जोखिम भरा काम करना होगा, जैसे 200 किलोमीटर की रफ्तार से गाड़ी दौड़ाना? अफसोस, हम अपने आस-पास जिन अमीरों को देखते हैं, उनमें से अधिकांश पूंजीवाद के विजेता, पिछली पीढ़ियों से प्राप्त प्रगति के लाभार्थी हैं। अपने देश में नए अमीर समस्या नहीं हैं, उनका नया व्यवहार समस्या है। ध्यान दीजिए, दुर्घटना के बाद लोगों ने किशोर और पोर्श कार पर हमला बोल दिया। हम मान सकते हैं कि यह पीड़ितों की ओर से गुस्से का इजहार नहीं था, बल्कि यह महंगी पोर्श कार के प्रति गुस्सा था। अक्सर सवाल उठता है, अमीरों को गरीब मार क्यों नहीं देते? शायद, गरीब हिंसक नहीं होना चाहते। जेल नहीं जाना चाहते। और गरीब शायद अमीरों की तुलना में गरीबों के प्रति ज्यादा मतलबी होते हैं। अत: व्यापक समाज और व्यवस्था के हित में गरीबों के साथ ही अमीरों को भी संतुलन साधकर चलना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वक्त के साथ बहुत बदल गया चुनाव

विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी

पहले आम चुनाव से लेकर आज जब अठारहवीं लोकसभा के चुनाव अपने अंतिम चरण में पहुंच चुके हैं, एक बात पूरी शिद्दत से कही जा सकती है कि शुरुआत से ही चुनाव-प्रक्रिया उत्सवधर्मी भारतीय समाज के लिए किसी मेले-ठेले सी रही है। शून्य से नीचे वाली बर्फानी पहाड़ियों से लेकर पचास डिग्री सेल्सियस तापमान वाले रेगिस्तानी इलाकों में रहने वाले मतदाता ने अपने जीवन की तमाम गतिविधियों की तरह मतदान को भी नृत्य, संगीत, उल्लास, उत्साह, प्रेम या घृणा से जोड़ रखा है।

समय के साथ इतना फर्क जरूर आया है कि व्यस्तताओं और मनोरंजन के दूसरे विकल्पों के चलते, अब जैसे-जैसे सार्वजनिक स्थलों पर गंभीर प्रदर्शन कलाओं की प्रासंगिकता कम होती जा रही है, उसी अनुपात में चुनावी प्रचार सभाओं में भी अपवाद स्वरूप ही श्रोताओं को बांधे रखने की जिम्मेदारी नुक्कड़ नाटकों या लोक गायकों को मिल रही है, उनके मनोरंजन के मुख्य स्रोत विपक्षियों पर किए जाने वाले कटाक्ष या अपने प्रिय वक्ता की वक्तृता ही रह गए हैं। जिस तरह मनोरंजन माध्यम शिष्ट नागर के मुकाबले 'सड़क छाप' जैसी संज्ञा के करीब आते जा रहे हैं, उसी तरह यह वक्तृता भी उत्तरोत्तर गिरावट की तरफ है। शायद इस बार भाषणों का स्तर कुछ ज्यादा ही गिरा और इसमें सत्ता और विपक्ष, दोनों ने अपना हिस्सा डाला।

इस बार के चुनाव बड़े 'खामोश' हैं, न बहुत चिल्ल-पों और न ही छोटे-बड़े जुलूसों की गहमागहमी। गांवों, कस्बों या शहरों के चायखानों पर सुबह से देर रात तक होने वाली गरमागरम बहसें भी इस बार नदारद हैं। पोस्टरों और दीवार-लेखन से पटी गलियां वीरान सी लग रही हैं। नतीजतन, पश्चिम बंगाल जैसे अपवाद छोड़ दें, तो उत्तेजना से उपजने वाले तनाव और हिंसा भी गायब हैं। शुरुआती चरणों में होने वाले कम मतदान के पीछे यह भी एक कारण हो सकता है। किसी के पास इस बड़े फर्क का कोई तसल्ली-बख्श जवाब नहीं है। चुनाव विश्लेषकों या सेफोलॉजिस्ट की एक नई पेशेवर पौध पिछले कुछ वर्षों में फली-फूली है, लेकिन वे भी इस पर अटकलें लगाने के अलावा और कुछ भी नहीं कर पा रहे हैं।

इन चुनावों में सोशल मीडिया अपने उरूज पर

है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता या एआई की छौंक भी उसमें दिखने लगी है। अभी डीपफेक का अनुपात नगण्य है, पर कोई नहीं कह सकता कि अगले चुनावों तक इसका अनुपात बढ़कर यह किस हद तक पहुंच सकता है। किसी भी संपादकीय विवेक और सरकारी नियंत्रण से काफी हद तक मुक्त यह माध्यम अपनी शक्ति और सीमा, दोनों दिखा रहा है। चुनावी रण में उतरे महारथियों ने पोस्टर लगाते-फाड़ते, वॉल राइटिंग करते या लाउडस्पीकरों पर चीखते-चिल्लाते वैतनिक कार्यकर्ताओं की फौज की जगह वातानुकूलित कमरों में लैपटॉप के साथ हाईटेक योद्धाओं को तैनात कर दिया है, जो सोशल मीडिया पर मनोवैज्ञानिक युद्ध लड़ रहे हैं और करोड़ों स्मार्टफोन पर दिन-रात व्यस्त भारतीय मतदाता इस जंग के जाने-अनजाने सैनिक बने हुए हैं। अठारहवीं लोकसभा के चुनावों को देखते हुए मुझे बरबस 1977 के चुनाव याद आ रहे हैं। देश के साथ व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए भी ये बड़े महत्वपूर्ण थे। आपातकाल खत्म हो गया था और उसके बाद के इस पहले चुनाव में एक पुलिस अधिकारी की हैसियत से मेरी पहली ड्यूटी लगने जा रही थी और यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि पूरे देश की तरह मुझे भी खास तरह की सनसनी का एहसास हो रहा था। आपातकाल के तमाम प्रतिबंध हट गए थे और देश को कई अर्थों में दूसरी आजादी मिली थी। जैसे कोई ज्वार फटा हो और कई मौकों पर उच्छृंखलता की सीमा लांघती यह आजादी चुनावों में भी खूब दिखी। जनता आपातकाल की ज्यादतियों का सबक सिखाने सड़कों पर निकली और फलस्वरूप उत्तर प्रदेश की सारी 85 सीटें सत्ता दल हार गया।

उस चुनाव की कई स्मृतियां हैं और कई सच्चाइयां ऐसी हैं, जो मेरे मस्तिष्क में टकी हैं। एक सच्चाई किसी बड़े आघात की तरह उद्घाटित हुई। किसी भी राजनीतिक दल के लिए चुनावी शुचिता का कोई अर्थ नहीं था। येन-केन-प्रकारेण सभी चुनाव जीतना चाहते थे और इसके लिए मतदान केंद्रों पर तरह-तरह के हथकंडे आजमाए जा रहे थे। इनमें सबसे लोकप्रिय था बूथ पर अपने विरोधियों को वोट डालने से रोककर अपने समर्थकों से गलत-सही किसी भी तरीके से अधिक से अधिक वोट डलवा लेना। इंदिरा गांधी की कांग्रेस जो कर रही थी, जय प्रकाश नारायण के चेले उससे किसी भी मामले में पीछे नहीं थे। यह देखकर भी प्रथम दृष्टया आघात लगा कि चुनाव संपन्न कराने के लिए जिम्मेदार सरकारी कर्मचारियों में कुछ अपवाद ही थे, जो जोखिम उठाकर भी निष्पक्ष चुनाव कराने की जिद पर अड़ते थे। यह स्थिति उत्तरोत्तर खराब ही होती गई और हमारी भाषा को बूथ लुटेरे या 'बूथ कैप्चरिंग' जैसे शब्द मिले। भला हो टीएन शेषन का, जिन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पद की गरिमा बढ़ाई और भारतीय चुनावी प्रक्रिया को बहुत हद तक विश्वसनीय बनाया, पर यह परिवर्तन सांस्थानिक न होकर व्यक्ति केंद्रित ही ज्यादा रहा। आज किसी को बताने की जरूरत नहीं रही कि केंद्रीय निर्वाचन आयोग की साख हमारे मन में बहुत भरोसा नहीं जगा पाती है।

कई मनोरंजक संस्मरणों में एक ऐसे गांव का है, जहां के भोले निवासियों ने एक चुनाव में मतदान के बाद मुझे बताया कि उन्होंने उस उम्मीदवार को इकतरफा थोक में वोट दिए हैं, जो पिछले कई दिनों से उन्हें मुरगे और शराब की दावत दे रहा था। इत्तिफाक से दस साल बाद उसी गांव के मतदाताओं से एक बार फिर मुलाकात हो गई। इस बार वे हंस-हंसकर बता रहे थे कि उस उम्मीदवार ने शराब और मुरगे पर खर्च तो पहले की ही तरह किया था, पर उन्होंने वोट उसे नहीं दिया। अब वे ज्यादा समझदार हो गए थे। मेरी अपनी समझ है कि भारतीय समाज कभी उन अर्थों में लोकतांत्रिक नहीं रहा, जिसकी पश्चिम से आयातित एक बालिग व्यक्ति एक मत वाला लोकतंत्र अपेक्षा करता है। वर्णों और वर्गों में बुरी तरह से विभक्त यह समाज इस लोकतंत्र से तालमेल बिठाने का प्रयास करता दिखता है और इसी का परिणाम है कि कम शिक्षित भारतीय मतदाता अपने प्रौढ़ फैसलों से कई बार दुनिया भर को चकित करता रहता है। मुझे लगता है, लोग इस बार भी निराश नहीं करेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विधि-सम्मत कार्रवाई होगी

झूठे और भ्रामक विज्ञापनों के जरिए आम आदमी को प्रलोभन देकर पैसा बनाने वाली कंपनियों को स्वप्रमाण-पत्र जारी करना होगा। यह दावा गलत हुआ तो हर्जाना चुकाना होगा। उनके खिलाफ विधि-सम्मत कार्रवाई भी होगी। रामदेव की कंपनी पतंजली के भ्रामक विज्ञापन मामले के आलोक में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अमल करने के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यह कदम उठाया है। मंत्रालय द्वारा ऐसी प्रणाली और पोर्टल तैयार किया जा रहा है, जिसमें विज्ञापनदाता स्व-प्रमाणपत्र अपलोड करेगा।

केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने इस बाबत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं जिनके तहत कंपनियों को अपने उत्पादों और वस्तुओं की बिक्री बढ़ाने की गरज से भ्रामक विज्ञापनों से बचने की सलाह दी गई है। भ्रामक विज्ञापनों को करने वाली चर्चित हस्तियों को भी इस झूठ में शामिल माना जाएगा। यह व्यवस्था अगले महीने से लागू हो जाएगी। दावा गलत सिद्ध होने पर मुकदमा दायर होगा तथा मुआवजा भी देना होगा। हैरत नहीं होनी चाहिए कि अदालत के कड़े रुख के बाद संबंधित मंत्रालय और व्यवस्था चेत रही है। वरना तो अपने यहां गोरापन बढ़ाने वाली क्रीम तकरीबन 54 सालों से भ्रामक विज्ञापनों के सहारे ही बिकती रही हैं, जिनका सालाना रेवेन्यू 2400 करोड़ रुपये से ज्यादा का बताया जा रहा है।

ऐसे ही बच्चों की लंबाई बढ़ाने या हड्डियां मजबूत करने का दावा करने वाले तमाम प्रोडक्ट्स से बाजार अटे पड़े हैं। स्वास्थ्यवर्धक पेयों के मामले में भी कुछ ऐसा ही मंजर है, जिनका बाजार 7500 करोड़ रुपये से ज्यादा का बताया जा रहा है। ताजगी बढ़ाने और भीषण गरमी से राहत देने वाले सॉफ्ट ड्रिंक्स का बाजार 5700 करोड़ रुपये का है, जिनमें शक्कर की मात्रा घातक स्तर तक होने की चेतावनी जब-तब चिकित्सक देते रहते हैं। देश में हर ग्यारहवां शख्स डायबिटीज की चपेट में है। मगर इन सब चीजों का प्रचार जोर-शोर से साल-दर-साल बढ़ता ही जा रहा है। मुनाफा कमाने वाली कंपनियों के खिलाफ कहीं कोई आवाज उठी भी तो तूती की तरह दब जाती है। इसके लिए स्पष्ट तौर पर सरकार और उसके मंत्रालय जिम्मेदार हैं जिन्हें जनता को भ्रामक प्रचार से बचाने के सख्त कदम उठाने थे। इस बात का फायदा उठाते हुए भ्रामक प्रचार और विज्ञापन के बल पर चांदी कूटने वाली कंपनियां बेखटके रहीं। अब हालांकि बहुत देर हो चुकी है। स्व-प्रमाणपत्र जैसी गाल बजाने वाली व्यवस्था देकर पीठ थपथपाने की बजाय गुणवत्ता मानक सख्ती से तय किए जाएं।

अब किसी की नहीं सुन रहा इजरायल

अश्विनी महापात्र, प्रोफेसर, जेएनयू

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अब फलस्तीन समस्या का स्थायी निपटारा चाहते हैं। उनकी योजना मानो दुनिया के नक्शे से गाजा पट्टी को मिटा डालने की है। दक्षिणी गाजा पट्टी में राफा पर इजरायली हमले के खास निहितार्थ हैं। बेशक, इस हमले में 40 से अधिक आम फलस्तीनियों की मौत हुई है और दुनिया भर में इसकी निंदा जारी है, लेकिन ऐसा लगता है कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सोच-समझकर अपने कदम आगे बढ़ा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में ऑपरेशन प्रोटेक्टिव शील्ड (जुलाई, 2014), ऑपरेशन कास्ट लीड (दिसंबर, 2018), ऑपरेशन वॉल गार्जियन (मई, 2021) जैसी फौजी कार्रवाइयों के बावजूद इजरायल को इसलिए सफलता नहीं मिल सकी थी, क्योंकि सैन्य ऑपरेशन के बाद अंतरराष्ट्रीय दबाव में उसे संघर्ष-विराम करना पड़ता था और हालात पूर्ववत हो जाते थे। ऐसे संघर्ष-विराम में दोनों पक्षों द्वारा कैदियों की अदला-बदली की भी बात होती थी, लेकिन करीब एक करोड़ इजरायलियों की सुरक्षा का कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाता था।

अब इजरायली प्रधानमंत्री इस परिपाटी को बदलते हुए दिख रहे हैं। इस युद्ध में हमास की मंशा यही लग रही थी कि अक्तूबर, 2023 में हमले के बाद संघर्ष-विराम कर लिया जाएगा और इजरायली बंधकों के बदले फलस्तीनी कैदियों को छुड़ाकर स्थिति सामान्य बना ली जाएगी। मगर नेतन्याहू अब इस समस्या का स्थायी समाधान चाहते हैं। उनकी योजना मानो दुनिया के नक्शे से गाजा पट्टी को मिटा डालने की है, ताकि हमास को सिर छिपाने की कोई जगह न मिले। इससे ही इजरायलियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। इजरायल का यह भी मानना है कि जब उत्तर और मध्य गाजा से फ्लस्तीनियों को दक्षिणी इलाकों में आने को कहा गया था, तब आम लोगों की भीड़ में कुछ हमास के लड़ाके भी यहां पर आ गए, जो रह-रहकर इजरायली सुरक्षा बलों को चुनौती देते रहे हैं। उसकी यह सोच उन हमलों से पुष्ट होती है, जो बीते दिनों इजरायल पर हुए हैं। माना जाता है कि उत्तर और मध्य गाजा में हमास ने अपना ठिकाना फिर से बना लिया है।

यही कारण है कि इजरायली प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अवहेलना करते दिख रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वह किसी दबाव में आकर सैन्य कार्रवाई बंद नहीं करेंगे। अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से उनकी नाराजगी की एक वजह फलस्तीन को राष्ट्र का दर्जा देने वाले देशों की बढ़ती संख्या भी है। अब तक संयुक्त राष्ट्र के 195 सदस्य देशों में से 143 राष्ट्र फलस्तीन के पक्ष में हैं, जिनमें नया नाम आयरलैंड, नॉर्वे व स्पेन का है। इतना ही नहीं, पिछले मार्च महीने में सुरक्षा परिषद् ने गाजा में संघर्ष-विराम और बिना शर्त इजरायली बंधकों की रिहाई संबंधी एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसका अमेरिका ने कोई विरोध नहीं किया, जबकि इससे पहले तक वह इजरायल के पक्ष में खड़ा रहा है। फिर, वाशिंगटन ने इजरायल को भेजी जाने वाली हथियारों की खेप भी टाल दी और राफा पर हमले की सूरत में इसे रद्द करने की चेतावनी दी थी, जिसे इजरायल ने नजरंदाज कर दिया है।

हालांकि, इन सबकी कीमत आम फलस्तीनी चुका रहे हैं। तकरीबन 10 लाख फलस्तीनी विगत अक्तूबर के बाद से पलायन करके दक्षिणी गाजा पट्टी में आ चुके थे, लेकिन ताजा हमले के बाद वे वापस उत्तर व मध्य इलाकों में लौटने लगे हैं। माना जा रहा है कि तीन लाख, 60 हजार फलस्तीनी राफा छोड़कर वापस लौट चुके हैं। जबकि, हालिया हमले में लगभग 1,000 लोगों की मौत के साथ अब तक तकरीबन 40 हजार फलस्तीनी इस युद्ध की भेंट चढ़ चुके हैं। फिर भी, इजरायल इसलिए नहीं पसीज रहा, क्योंकि उसकी नजर में यही आखिरी मौका है, जब वह हमास को जड़ से खत्म कर सकता है। स्पष्ट है, यह एक मानसिक खेल है, जो दोनों पक्षों की ओर से खेला जा रहा है। ऐसे में, सवाल यही है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय अब क्या कर सकता है? अमेरिका बार-बार इजरायल से यही पूछ रहा है कि आखिर वह चाहता क्या है? वाशिंगटन के मुताबिक, समझौता ही इस जंग का अंतिम रास्ता है। मगर फलस्तीनी प्रशासन भी फिलहाल झुकने को तैयार नहीं है, क्योंकि इससे उसके पक्ष में बन रही सहानुभूति कम हो सकती है। जिस तरह से दुनिया भर के देश उसके पक्ष में गोलबंद हो रहे हैं, विशेषकर अमेरिकी विश्वविद्यालयों में उसके पक्ष में प्रदर्शन हो रहे हैं, उससे उसमें यह भरोसा बना है कि अंतरराष्ट्रीय समर्थन उसके साथ है। यह माना जा रहा था कि मिस्र, सऊदी अरब जैसे देश मिलकर इस मसले का हल निकाल लेंगे और हमास पर दबाव डालेंगे, ताकि वह कहीं और चला जाए। मगर इजरायल फलस्तीन जैसे किसी समुदाय का ही पक्षधर नहीं दिख रहा। वह गाजा पट्टी पर अपना अधिकार चाहता है। यही कारण है कि वह दो-राष्ट्र के सिद्धांत की भी मुखालफत करता है, जबकि तमाम शांतिप्रिय राष्ट्र इस सिद्धांत के हिमायती हैं।

कुछ लोग तर्क देते हैं कि इजरायल के भीतर जो फलस्तीन समर्थक आवाजें उठ रही हैं, वे इजरायलियों की अपनी सरकार से नाराजगी का संकेत है। मैं इससे सहमत नहीं हूं। इजरायल में जहां-कहीं छिटपुट संख्या में फलस्तीन समर्थक हैं, खासतौर से वेस्ट बैंक में, वहीं विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। इसका बहुत ज्यादा अर्थ नहीं है। लिहाजा, सवाल यही है कि आखिर इस युद्ध का अंत कैसे हो? इजरायल फलस्तीन का पूर्ण सफाया चाहता है और उसकी नजर में फलस्तीनियों की मौजूदगी उसकी एक करोड़ आबादी की सुरक्षा को दांव पर लगाना है, पर यह व्यावहारिक समाधान नहीं हो सकता। तो, क्या दो-राष्ट्र का सिद्धांत ही समाधान है? अगर हां, तो यह कैसे संभव होगा? इन्हीं सवालों के जवाब में इजरायल-फलस्तीन समस्या का हल भी छिपा है। तमाम संभावनाओं को देखें, तो उचित हल यही है कि दो-राष्ट्र के सिद्धांत को मान लिया जाए। तभी अंतरराष्ट्रीय समुदाय का दबाव फलस्तीनियों पर पड़ेगा और शांति-बहाली का प्रयास हो सकेगा। ऐसा करने पर शांति-सेना गाजा में तैनात हो सकेगी। दिक्कत यह है कि इस युद्ध को रोकने के लिए कोई भी कुछ खास करता नहीं दिख रहा। अरब देश चुप हैं। इस्लामी राष्ट्र भी कुछ नहीं कह रहे। ईरान ने इस मामले में काफी हद तक कदम बढ़ाए थे, लेकिन एक हवाई हादसे में अपने राष्ट्रपति की दुखद मौत और घरेलू चुनौतियों के कारण वह भी फिलहाल शांत पड़ता दिख रहा है। बाकी देश स्थिति पर निगाह जरूर बनाए हुए हैं, लेकिन वे निष्क्रिय ही जान पड़ते हैं। नतीजतन, यह युद्ध दिन-ब-दिन वीभत्स होता जा रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

रेल्वे स्टेशन और अन्तर्राज्यीय बस टर्मिनल में नशा मुक्ति आध्यात्मिक प्रदर्शनी

रायपुर। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा अन्तर्राज्यीय बस टर्मिनल भाठागांव और रेल्वे स्टेशन रायपुर के मुख्य प्रवेश द्वार क्रमांक-दो में 31 मई को एक दिन के लिए नशा मुक्ति आध्यात्मिक प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी को सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे के मध्य देखा जा सकता है। प्रवेश नि:शुल्क रखा गया है। रेल्वे स्टेशन में आयोजित नशा मुक्ति आध्यात्मिक प्रदर्शनी का उद्घाटन विधायक राजेश मूणत, अपर कलेक्टर श्रीमती निधि साहू, डिवीजनल कामर्शियल मैनेजर राकेश सिंह, स्टेशन डायरेक्टर एन.के.साहू और रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी करेंगी। इसी तरह अन्तर्राज्यीय बस टर्मिनल में आयोजित प्रदर्शनी का शुभारम्भ विधायक मोतीलाल साहू और नगर निगम के उपायुक्त विनोद पाण्डे करेंगे। उक्त प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को व्यसन मुक्ति का सन्देश देने के लिए रंगीन चित्रों तथा पोस्टर्स के माध्यम से तम्बाकू के अलावा गुड़ाखू, बीड़ी, सिगरेट और शराब आदि नशीली चीजों से स्वास्थ्य को होने वाले दुष्परिणामों के बारे में सचेत किया जाएगा। इसके साथ ही राजयोग साधना के द्वारा हमेशा के लिए दुर्व्यसनों से मुक्त होने के उपायों को बहुत ही सरल शब्दों में रोचक ढंग से दर्शाया जाएगा। यह प्रदर्शनी सभी नागरिकों के लिए दर्शनीय है। प्रदर्शनी स्थल पर तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट आदि छोडऩे के लिए लोगों को प्रेरित करते हुए एक दान पेटी भी रखी गई है, जहाँ पर व्यसनों से छुटकारा प्राप्त करने के इच्छुक लोग परमपिता परमात्मा को साक्षी रखकर बुराइयों का दान कर सकेंगे।

पानी का सदुपयोग कर उसे बचाने मनाया जा रहा जल जगार उत्सव

धमतरी। जिले में पानी का सदुपयोग कर उसे आने वाले समय के लिए संरक्षित करने के उद्देश्य से कलेक्टर नम्रता गांधी की अगुवाई में जल जगार उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज वनांचल नगरी के ग्राम मोहलाई और छुही में जल जगार उत्सव के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम मोहलाई में आयोजित जल जगार उत्सव में शिरकत करते हुए कलेक्टर गांधी ने कहा कि पानी को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों का आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी पानी का सदुपयोग करें। साथ ही अपने आसपास हो रहे पानी के दुरूपयोग रोकने लोगों को समझाईश दें। कलेक्टर ने कहा कि आने वाले दिनों में पानी खरीदना ना पडे, इसके लिए अभी से सजग रहें और पहले की तरह जिले के जलाशयों में जलस्तर बढ़ाने के लिए अपना पूरा-पूरा योगदान दें। जल प्रहरी नीरज वानखेड़े ने कहा कि पानी की उपयोगिता को सभी समझें, नही तो आने वाले दिनों में पछताना पड़ेगा। उन्होंने इस मौके पर रूफटॉप स्ट्रक्चर, वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और वेस्ट वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने की विधि बताई। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा जल संरक्षण के संबंध में नृत्य और नाटक प्रस्तुत किया गया। वहीं गांव में जल संरक्षण संबंधी 50 नारा लेखन, गांव के 5 तालाबों की सफाई, वृक्षारोपण के लिए 80 गड्ढों को खोदने और 5 संरचना निर्माण की जानकारी दी गई। मोहलाई में आयोजित कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पवन कुमार प्रेमी, डिप्टी कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी जल जगार प्रीति दुर्गम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नगरी विमल कुमार साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

दक्षिण मध्य एशिया के सबसे बड़े बाजार होलसेल कॉरिडोर को कैबिनेट मंत्री चौधरी ने दी मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

होलसेल कॉरिडोर विकसित छत्तीसगढ़ 2047 बनाने में मील का पत्थर साबित होगा: पारवानी

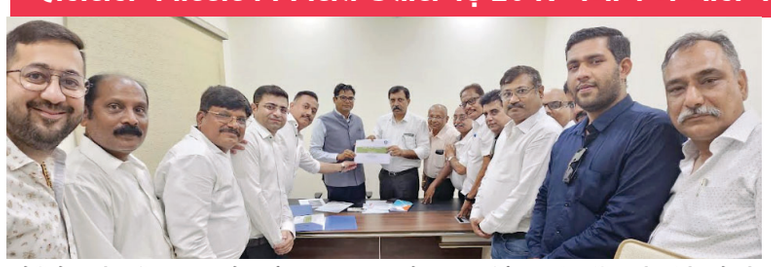

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि दिनांक 28 मई 2024 को चेम्बर अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में चेंबर प्रतिनिधि मंडल ने वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चैधरी जी से उनके बंगले में जाकर मुलाकात की तथा विकसित भारत के तर्ज पर विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण हेतु नए विजन को लेकर दक्षिण मध्य एशिया के सबसे बड़े होलसेल कोरिडोर की परिकल्पना से माननीय मंत्री जी को अवगत कराया।

नया रायपुर अटल नगर में प्रस्तावित दक्षिण मध्य एशिया के सबसे बड़े होलसेल कोरिडोर की परिकल्पना को मूर्त रूप प्रदान करने माननीय मंत्री ओ.पी. चैधरी जी को ज्ञापन सौंप इस महती योजना के स्वरूप और चेंबर के विजन की विस्तृत जानकारी दी। जिस पर माननीय मंत्री ओ.पी. चैधरी जी ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए तत्काल एनआरडीए के सीईओ सौरभ कुमार जी को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किये। चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर परवानी ने माननीय वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चैधरी के समक्ष प्रस्तावित नए होलसेल कॉरिडोर परिकल्पना का प्रस्तुतिकरण दिया और बताया कि प्रस्तावित होलसेल कॉरिडोर उपरोक्त अंतर्राष्ट्रीय बाजारों जैसा विशाल और व्यवस्थित होगा यह होलसेल कॉरिडोर स्वामी विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट, अटल नगर रेलवे स्टेशन निर्माणाधीन तथा भारत माला सड़क परियोजना एवं एनएच 30 के समीप होगा जो भौगोलिक रूप से हमारी सीमा से लगे उड़ीसा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और झारखंड की मांग की आपूर्ति कर सकेगा तथा प्रदेश के व्यापार को नई ऊंचाई, दिशा और गति देगा, साथ ही साथ संपूर्ण भारतवर्ष में छत्तीसगढ़ मॉडल के एक अनूठे और सबसे बड़े व्यवसाय क्षेत्र के रूप में जाना जाएगा। यह एक स्वकेंद्रित और सभी तरह के थोक व्यापार के लिए एक ही स्थान पर सर्वसुविधायुक्त परिसर होगा जो भविष्य में 50 से 100 वर्ष तक निर्बाध-निर्विघ्न व्यवस्था के अनुकूल होगा। यह कॉरिडोर सभी वस्तुओं की बिक्री हेतु उनकी आवश्यकता अनुसार सर्वोत्तम मूलभूत संरचनाओं के साथ उपलब्ध होगा, नए रोजगार के अवसरों के साथ-साथ 1.5 से 2 लाख लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार का सृजन होगा, राज्य सरकार के सहयोग और व्यवसायियों की प्रतिबद्धता से क्षेत्र की ग्रामीण जनता का विकास और जीवन स्तर में भी बदलाव होगा।

श्री पारवानी ने आगे कहा कि होलसेल कोरिडोर के निर्माण हेतु नवा रायपुर अटल नगर में लगभग 1100 एकड़ भूमि का चिन्हांकन किया गया है। यह देश का प्रथम पर्यावरण संतुलित बाजार होगा जिसमें सोलर एनर्जी वाटर हार्वेस्टिंग, वॉटर रिसाइकलिंग तथा गार्बेज रिसाइकलिंग की भी व्यवस्था होगी तथा पर्यावरण संतुलन हेतु पूरे क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण भी होगा। प्रस्तावित बाजार को विभिन्न सेक्टरों में वर्गीकृत किया गया है जिससे आगंतुक ग्राहकों को गंतव्य तक खरीदने में किसी प्रकार की समस्या ना हो, मूलभूत सुविधाएं जैसे पेट्रोल पम्प, बैंक, एटीएम, चिकित्सा सुविधा, अग्निशमन, शौचालय, हमालों के लिए विश्राम स्थल, खानपान के स्टाल, धर्म कांटा, ट्रकों एवं अन्य वाहनों के खड़े होने की व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था आदि का भी ध्यान रखा गया है।

राजस्व शिविरों के आयोजन से आम जनता हो रही लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व शिविर लगाकर राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर अग्रवाल ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि सभी तहसीलों में राजस्व शिविर का आयोजन होना चाहिए।

जनसामान्य को राजस्व प्रकरणों के निराकरण में दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे किसान जो खाता विभाजन करना चाहते हैं, उनकी सहमति से खाता विभाजन करा दें, ताकि उन्हें खेती-किसानी के कार्यों में तकनीकी समस्या नहीं आयें। परिवार के मुखिया की मृत्यु के बाद फौती नामांतरण प्राथमिकता से करायें। बाद में आपसी सहमति से खाता विभाजन करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन के प्रकरणों का यथाशीघ्र निराकरण करें। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गति लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी पटवारी निर्धारित दिनों में मुख्यालय में उपस्थित रहना सुनिश्चित करेंगें।

उल्लेखनीय जिले में आयोजित कुल 210 राजस्व शिविरों में 842 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 774 आवेदन निराकृत किया गया है। राजस्व शिविरों में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र सहित अन्य प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण किया जा रहा है। राजस्व शिविरों के आयोजन से आम जनता को लाभ मिल रहा है। डोंगरगढ़ तहसील अंतर्गत 43, राजनांदगांव तहसील अंतर्गत 49, डोंगरगांव तहसील अंतर्गत 28, छुरिया तहसील अंतर्गत 12, कुमरदा तहसील अंतर्गत 21, घुमका तहसील अंतर्गत 33 एवं लाल बहादुर नगर तहसील अंतर्गत 24 राजस्व शिविरों का आयोजन किया गया है।

शिविरों के माध्यम से अविवादित नामांतरण के 62, अविवादित बंटवारा के 6, सीमांकन के 4, आय प्रमाण पत्र के 305, निवास प्रमाण पत्र के 118, जाति प्रमाण पत्र के 165 एवं अन्य प्रकरणों के 114 आवेदनों का निराकरण किया गया।

पौधरोपण सहित सौंदर्यीकरण कार्य शीघ्र प्रारंभ करवाने के आयुक्त के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार आज नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने राजधानी शहर रायपुर में एक्सप्रेस वे तेलीबाँधा, शंकर नगर, देवेन्द्र नगर, पंडरी क्षेत्र का निरीक्षण हीरा ग्रुप के एम डी दिनेश अग्रवाल, नगर निगम अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा, जोन 3 जोन कमिश्नर प्रीति सिंह, कार्यपालन अभियंता सर्वश्री प्रदीप यादव, राजेश राठौर, शरद कुमार ध्रुव की उपस्थिति में किया. आयुक्त ने एक्सप्रेस वे में पौधरोपण सहित सौंदर्यीकरण का कार्य प्रारम्भ करवाने के निर्देश दिये. इस कार्य को हीरा ग्रुप के माध्यम से सीएसआर मद से शीघ्र करवाया जायेगा।

आयुक्त ने हीरा ग्रुप के माध्यम से राजधानी शहर के जीईमार्ग में आयुर्वेदिक कॉलेज विजयन्त टैंक के समीप रोड के किनारे करवाये गए सौंदर्यीकरण कार्य का प्रत्यक्ष अवलोकन कर उक्त कार्य को सराहा. आयुक्त ने एक्सप्रेस वे क्षेत्र में पौधरोपण सहित सौंदर्यीकरण कार्य शीघ्र करवाने निर्देशित किया।

ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को लेकर ऑफिसर्स रेस्ट हाउस बीएमवाई में संरक्षा सेमिनार

श्रीकंचनपथ न्यूज

प्राथमिक उपचार पेटी का प्रदर्शन ।

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग के द्वारा बुधवार को ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन हेतु परिचालन, विद्युत परिचालन, टीआरडी, यांत्रिक, सिग्नल एवं दूरसंचार तथा इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों के साथ ऑफीसर्स रेस्ट हाउस/बीएमवाई में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।

इस दौरान स्पैड से बचाव के लिए बरती जानेवाली सावधानियां, शंटिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां, सिग्नल एवं पॉइंट की विफलता एवं रिले रूम में कार्य करने के दौरान सिग्नल तथा परिचालन कर्मचारियों के द्वारा बरती जाने वाली सावधानियां, ग्रीष्मकालीन पेट्रोलियम एवं कार्य क्षेत्र की संरक्षा, असमान लोडिंग हॉट एक्सेल एवं ब्रेक वाइंडिंग की पहचान एवं निवारण, पावर ब्लॉक एवं एक से अधिक मशीन एक ही ब्लॉक सेक्शन में कार्य करने के दौरान ली जाने वाली सावधानियां, अग्निशमन यंत्र का उपयोग एवं प्रदर्शन तथा इस संरक्षा सेमिनार में त्रिनाथ मोहंती, संरक्षा सलाहकार/विद्युत, शंकर लाल पटेल, संरक्षा सलाहकार/सिग्नल एवं दूरसंचार, भूपेश साहू, संरक्षा सलाहकार/यांत्रिक आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संरक्षा संगठन रायपुर मंडल के द्वारा प्रत्येक माह में 02 संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन रायपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों में किया जाता है, जिससे कर्मचारियों में कार्य करने के दौरान संरक्षा के प्रति जागरुकता लाई जा सके। उक्त संरक्षा संगोष्ठी में संरक्षा सलाहकार, सुपरवाइजर, एवं फील्ड कर्मचारियों को मिलाकर कुल 82 लोगों ने भाग लिया।

टीबी मुक्त समाज के निर्माण में पंचायत सचिव और जनप्रतिनिधियों की अहम् भूमिका

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। जनपद सभागार भैयाथान में टीबी मुक्त भारत के लिए कार्यशाला का आयोजन मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार गुप्ता के अध्यक्षता में आयोजित हुई। ज्ञात हो कि पुरी दुनियां से 2030 और सम्पूर्ण भारतवर्ष से 2025 तक क्षयरोग को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है।

इसी तारतम्य में जिला कलेक्टर रोहित व्यास के दिशा-निर्देशन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर एस सिंह के मार्गदर्शन में विविध कार्यक्रमों का आयोजन जिला क्षय उन्मूलन और पिरामल फाऊंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

जिला क्षय उन्मूलन केन्द्र से पधारे कार्यक्रम समन्वयक संजीत कुमार ने टीबी मुक्त पंचायत के मापदंडों पर सविस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि टीबी हारेगा और देश जितेगा के सपनों को साकार करने में ग्रामपंचायतों की अहम् भूमिका है। पंचायत के एक एक वार्डों को टीबी मुक्त बनाने के लिए हर वार्ड पंच को जागरूक होना पड़ेगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार गुप्ता ने कार्ययोजना और रणनीति पूर्ण कार्य करने का सुझाव दिया। जनपद पंचायत मनरेगा के कार्यक्रम अधिकारी विजय कुमार एक्का ने कहा कि टीबी के संक्रमण को रोकना बहुत कठीन कार्य नहीं है। अपने पड़ोस का ध्यान रखने मात्र हम लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। पड़ोस के सम्भावित व्यक्तियों का पहचान कर उनका जांच करवा दें तो निश्चित तौर पर विजय हासिल हो जायेगी।

इस कार्य में पंचायत भागीदारी बने । पंचायत इंस्पेक्टर हनुमान प्रसाद दुबे ने कहा कि टीबी मुक्त पंचायत के निर्माण से व्यक्ति और समाज दोनों को फायदा है। टीबी से बचने के लिए अपने पड़ोस के सम्भावित व्यक्तियों का जांच करवाये।

यह कार्य बहुत कठीन नहीं है पंचायत सचिव यदि चाह जायें तो ग्रामीण सचिवालय दिवस में कार्य योजना बना कर लक्ष्य पुरा कर सकते हैं। इस कार्य का सूत्रधार पिरामल फाऊंडेशन के जिला कार्यक्रम समन्वयक राज नारायण द्विवेदी ने विगत माह से इस बैठक के लिए प्रयासरत रहे हैं। कार्यक्रम में जनपद पंचायत के अधिकारी कर्मचारी सहभागी रहे। अमीत कुमार खैरवार रामनयन निर्मलकर उपयंत्री एवं स्वास्थ्य विभाग के निलेश दुबे ने भी विचार व्यक्त किया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अर्धवार्षिक बैठक संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मंडल रेल प्रबंधक एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर संजीव कुमार की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की वर्ष 2024 की प्रथम छमाही बैठक रेल अधिकारी क्लब, उल्लास में आयोजित की गई । सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ ।

तत्पश्चात अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा.) एवं उपाध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का पुस्तकें भेंट कर स्वागत किया गया ।

इसके पश्चात मंडल रेल प्रबंधक एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर संजीव कुमार के करकमलों द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिका 'मुक्तांगन' के प्रवेशांक का विमोचन किया गया ।

बैठक के प्रारंभ में आशीष मिश्रा, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। उन्होंने अपने स्वागत भाषण में कहा कि अपने दैनिक कामकाज में आम बोलचाल की हिंदी का प्रयोग करें तथा समय - समय पर विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं को लागू करें । आपके ऐसे ही छोटे-छोटे प्रयासों से राजभाषा हिंदी के प्रति अनुकूल वातावरण तैयार होगा। बैठक के दौरान नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर के सदस्य कार्यालयों की 1जुलाई 2023 से 31 दिसंबर 2023 तक की अवधि की राजभाषा प्रगति की समीक्षा सचिव निकेश कुमार पाण्डेय द्वारा की गई, साथ ही विभिन्न मदों पर चर्चा की गई। अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर एवं मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रति छमाही नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित करना अनिवार्य होता है । बैठक में हुई चर्चा से हम सभी यह जान पाए कि विगत छः माह के दौरान सदस्य कार्यालयों में राजभाषा के प्रयोग-प्रसार की दिशा में क्या उल्लेखनीय परिवर्तन हुए तथा किन क्षेत्रों में और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

हम सभी यह संकल्प लें कि अगली छमाही बैठक के पूर्व हमारी जो भी कमियां हैं उन्हें हम अवश्य दूर कर लेंगे ताकि नराकास, रायपुर को गृह मंत्रालय का पुरस्कार प्राप्त हो सके। वर्तमान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर के कुल 76 सदस्य कार्यालय हैं। इस बैठक में 73 सदस्य कार्यालयों एवं उपक्रमों के अधिकारीगण उपस्थित हुए। बैठक का संचालन निकेश कुमार पाण्डेय, सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर एवं राजभाषा अधिकारी, द.पू.म.रेलवे, रायपुर ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई ।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

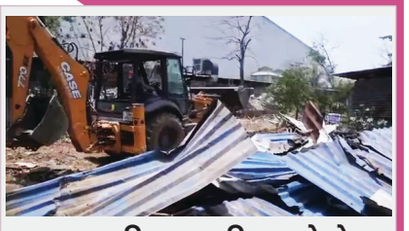

नहर पर अतिक्रमण, निगम ने होटल बेबीलॉन पर चलाया बुलडोजर

रायपुर (ए.)। वीआईपी रोड स्थित होटल बेबीलॉन में नगर निगम का अमला तोड़फोड़ की कार्यवाही कर रहा है। होटल संचालक ने नहर पर अतिक्रमण करके निर्माण कर रखा था। होटल प्रबंधन के इस अवैध निर्माण का असर विधायक कालोनी में बारिश के दिनों में पड़ता है। विधायक कालोनी में पानी भर जाता है। निगम अधिकारी संतोष पांडे ने बताया कि होटल संचालक ने वहां स्थित नाले पर अतिक्रमण कर रखा था। नाले पर करीब 4500 वर्ग फीट पर कब्जा करके निर्माण कर लिया था। इसी वजह से न केवल नाला चोक हो रहा था बल्कि आसपास दलदल बन गया है। इसी अवैध निर्माण के कारण बारिश के दौरान विधायक कालोनी में जलभराव की समस?या होती है। नगर निगम के अफसरों ने बताया कि अतिक्रमण हटाने के लिए होटल प्रबंधन को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। इसी वजह से आज नगर निगम का अमला वहां अतिक्रमण तोड़ने की कार्यवाही कर रहा है।

जून माह में भरे जाएंगे 10वीं व 12वीं के पूरक परीक्षा के फार्म

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के 10वीं और 12वीं पूरक परीक्षा के लिए आवेदन अगले माह जून से शुरू हो जाएगी। वहीं परीक्षा जून में ही आयोजित करने की तैयारी है। जानकारी के अनुसार 10वीं बोर्ड परीक्षा में 19,012 छात्र पूरक परीक्षा के लिए पात्र है। वहीं 12वीं में 22,232 छात्रों पर पूरक लगा है। माशिमं के मापदंड के मुताबिक एक या दो विषय में पूरक परीक्षा की पात्रता देते है। दूसरी ओर अन्य सालों की तरह इस बार पुनर्मूल्यांकन, पुनर्गणना के लिए ज्यादा फार्म आए हैं। इस बार 30 हजार से अधिक आवेदन आए हैं। जबकि यह आंकड़ा पिछले साल की अपेक्षा 10 हजार से ज्यादा है। वहीं सबसे ज्यादा आवेदन पुर्नमूल्यांकन के लिए मिले है। छात्रों को पुनर्गणना, पुनर्मूल्यांकन, उत्तरपुस्तिका की छायाप्रति के लिए 24 मई तक आवेदन करने का समय दिया था। माशिमं ने पहले से ही निर्देश जारी किया कि पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन दो मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा कराया जाएगा। दोनों मूल्यांकनकर्ताओं के दिए अंकों के औसत पूर्व में प्राप्त अंकों से 10 प्रतिशत या उससे अधिक वृद्धि होने पर ही अंकों में वृद्धि मान्य होगी। माशिमं सचिव पुष्पा साहू ने कहा, 10वीं और 12वीं के पूरक परीक्षाओं के लिए जल्द ही आवेदन मंगाया जाएगा।

जंगल सफारी में जानवरों के लिए प्रबंधन ने किए खास इंतजाम

भीषण गर्मी से मानव ही नहीं पशु-पक्षी भी हुए हलाकान

रायपुर (ए.)। नौतपा में सूर्य की तपिश कहर बरपा रही है। तापमान 45 डिग्री के पार चला गया है। इसके चलते मनुष्य तो क्या पशु-पक्षी भी हलाकान हो रहे हैं। तेज गर्मी को देखते हुए नवा रायपुर स्थित जंगल सफारी में पशुओं को खासकर के बड़ी बिल्लियों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

बड़ी बिल्लियों के बाड़े में पानी की व्यवस्था की गई है। वहीं उनके एनक्लोजर को ग्रीन नेट से ढका गया है। इसके अलावा कूलर का भी इंतजाम किया गया है, ताकि उन्हें राहत मिले। दोपहर के समय पेड़ों की छांव से ज्यादा राहत तो कूलर के सामने मिल रही है। बाघ तो पानी में मजे से बैठे रहते हैं, लेकिन बब्बर शेर और तेंदुए अपना समय कूलर के सामने व्यतीत कर रहे हैं।

जंगल सफारी डायरेक्टर गणवीर धम्मशील ने बताया, जंगल सफारी और जू में गर्मियों के मद्देनजर वन्य प्राणियों की देखभाल के लिए हमने समुचित व्यवस्था की है, जिसके अंतर्गत हमने ग्रीन नेट लगाया है, कूलिंग सिस्टम को बेहतर किया है और उन्हें हर जगह पानी उपलब्ध कराने के साथ ही उनके डाइट में भी बदलाव किया है। गर्मी को देखते हुए हमने खास प्लान बनाया और उसी हिसाब से सतत निगरानी भी की जा रही है।

बता दें कि रायपुर में दशक की तीसरी ऐसी भीषण गर्मी पड़ी। दिन का तापमान 45.8 डिग्री पहुंच गया। यह इस साल गर्मी के सीजन का सबसे ज्यादा गर्म दिन गुजरा है। इससे पहले रायपुर में 2015 में 28 मई को 46.2 और 2019 में 28 मई को अधिकतम तापमान 45.8 डिग्री रिकार्ड किया गया था। मौसम विभाग ने अगले दो-तीन दिन तेज गर्मी पड़ने की संभावना जताई है। वहीं तीन इंटरनेशनल ग्लोबल मॉडल के अनुसार रायपुर में अगले पांच दिनों में दिन का तापमान 46 से 47 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है।

लोककला संरक्षण के लिए विजय मिश्रा सम्मानित

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ी लोक कला के उन्नयन के लिए बीते 33 वर्षों से भाटापारा में सतत आयोजित लोकोत्सव 2024 में लोक कला मंच सुरता ने मनमोहक प्रस्तुति दी। सूरता के संचालक वरिष्ठ रंगकर्मी विजय मिश्रा अमित को डॉक्टर जितेंद्र आडिल स्मृति सम्मान से अलंकृत किया गया। त्रिदिवसीय लोकोत्सव में सुरता टीम के पैंतीस कलाकारों ने सुवा, करमा, ददरिया, मावलिया जश गीतों की प्रस्तुति से जनमन को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुरता के नृत्य निदेशक नरेंद्र जलक्षत्रीय की भरपूर सराहना हुई। इस अवसर पर सभी कलाकार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मासिक धर्म स्वच्छता वकालत अभियान में एकजुट हुए 5 लाख से ज्यादा परिवार

छत्तीसगढ़ मे रेड-डॉट के साथ मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के वकालत मे व्यापक अभियान सम्पन्न

रायपुर (ए.)। मासिक धर्म स्वच्छता की वकालत करते हुए पीरियड-फ्रेंडली समाज बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढाते हुए, छत्तीसगढ़ के नीति निर्माता, सरकारी अधिकारियों, युवा, नागरिक समाज और स्वयंसेवकों की मजबूत भागीदारी के साथ मासिक धर्म स्वच्छता दिवस का आयोजन किया गया।

इस महती आयोजन का मुख्य उद्शेय वर्जनाओं को तोड़ने, कलंक को समाप्त करने और मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन में पुरुषों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के जरुरतों के रेखांकित किया।

इस कार्यक्रम के तहत यूनिसेफ मासिक धर्म के बारे में समाज के हर वर्ग मे जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक महीने के विशेष अभियान की पहल की है । यह अभियान मिथकों को तोड़ने, वर्जनाओं को समाप्त करने और मासिक धर्म स्वच्छता प्रथाओं में पुरुषों की भागीदारी को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। रेड-डॉट चैलेंज यूनिसेफका इस दिशा मे एक अभिनव

प्रयास है, जिसमें पूरे छत्तीसगढ़ में 3 लाख युवाओं और 100 से अधिक सीएसओ को शामिल किया गया।

इस उद्शेय को आगे बढाने के लिये प्रतिभागियों ने अपने हाथों पर लाल बिंदु बनाकर, ताका समाज मे इस अभिनव पहल के लिये प्रतिबद्धता सुनिशचित कि जा सके।

जॉब जकारिया छत्तीसगढ़ प्रमुख ने अपने उद्बोधन मे कहा कि घर,समाज और समुदाय के भीतर स्वच्छ व्यवहार को प्रतिस्थापित करने में पुरुषों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, मासिक धर्म स्वच्छता न केवल स्वास्थ्य से जुड़ी है बल्कि समुदाय के भीतर शिक्षा, पोषण और लैंगिक मुद्दों को भी कम करने मे विशेष पहल करती है।

इस अभियान को राज्य के विभिन्न हिस्सों से जिला कलेक्टर, एसपी और जन प्रतिनिधियों का व्यापक समर्थन मिला है। युवा संगठन, एनएसएस, एनवाईकेएस और भारत स्काउट्स एंड गाइड्स ने इस अभियान का प्रभावी ढंग से आगे बढाते हुए राज्य भर में 5 लाख से अधिक परिवारों तक इस संदेश को पहुंचाने मे सफलता पाई।

साथ हि राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन और महिला एवं बाल विकास विभाग ने छत्तीसगढ़ की महिला चेंजमेकर्स से जुड़ने के लिए इस अभियान का पूर्ण समर्थन किया।

राज्य में एनीमिया के उच्च प्रसार को देखते हुए, मासिक धर्म के संबंध में सामाजिक और व्यवहारिक परिवर्तन लाने के लिए व्यापक सामुदायिक भागीदारी की तत्काल आवश्यकता है। इस साथर्क और महत्वपूर्ण प्रयास में, बस्तर के कलाकार रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से समुदाय को शामिल करने और शिक्षित करने के लिए #ARTyChange नामक एक गहन सात दिवसीय अभियान चलाएंगे।

निर्माणाधीन शास्त्री बाजार का निरीक्षण करने पहुंचे कलेक्टर

रायपुर (ए.)। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट तहत बन रहे तीन मंजिला शास्त्री बाजार परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा भी उनके साथ थे। कलेक्टर ने अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रोजेक्ट के शेष निर्माण कार्य जून माह तक पूरा करें साथ ही दुकानों के आबंटन की कार्यवाही भी सुनिश्चित करें।

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत निर्माणाधीन तीन मंजिला शास्त्री बाजार परिसर में ग्राउंड फ्लोर सहित प्रत्येक तल पर 21 दुकान निर्मित की जा रही है। पूरे परिसर में कुल 84 दुकानें तैयार होंगे। परिसर के बेसमेंट पार्किंग में 70 बाइक एवं 30 कार रखने की व्यवस्था की गई है। इस बिल्डिंग की छत में सौर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा से परिसर को रोशन करने की योजना भी रायपुर स्मार्ट सिटी लि. ने बनाई है। लगभग 9 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन यह परिसर जून अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

निरीक्षण भ्रमण के दौरान रायपुर स्मार्ट सिटी के प्रबंध संचालक मिश्रा ने प्रोजेक्ट से जुड़े तकनीकी पहलुओं से अवगत कराने के साथ ही दुकानों के आबंटन के संबंध में कलेक्टर को अवगत कराया। निरीक्षण भ्रमण के दौरान रायपुर स्मार्ट सिटी के मुख्य परिचालन अधिकारी उज्जवल पोरवाल, महाप्रबंधक (तकनीकी) पी.के. पंचायती, अतिरिक्त महाप्रबंधक (तकनीकी) इमरान खान, जोन 3 कमिश्नर प्रीति सिंह, कार्यपालन अभियंता राकेश अवधिया, उप-प्रबंधक संजय अग्रवाल, असिस्टेंट मैनेजर श्री योगेन्द्र साहू सहित कार्य एजेंसी की टीम उपस्थित रहीं।

बारिश से पहले केन्द्रों में राशन भण्डारण के निर्देश

संचालनालय स्तर से आनलाईन आबंटन किया जारी

रायपुर (ए.)। खाद्य नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता संरक्षण विभाग के संचालक ने महिला-बाल विकास विभाग के संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय और आदिम जाति, अनुसूचित जाति विभाग के आयुक्त को वर्ष 2024-25 के लिए पहुंच विहीन केन्द्रों के उचित मूल्य दुकानों में मध्यान्ह भोजन एवं पूरक पोषण आहार योजना के राशन सामग्री के अग्रिम भण्डारण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्षाकाल में पहुंचविहीन हो जाने वाले सुकमा जिले के 17 शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में 07 माह हेतु, बीजापुर जिले के 07 शासकीय उचित मूल्य दुकानों, नारायणपुर के 01 शासकीय उचित मूल्य दुकान तथा गरियाबंद जिले के 02 शासकीय उचित मूल्य दुकानों में 06 माह हेतु खाद्यान्न का भण्डारण करने कहा गया है। इसी प्रकार धमतरी जिले के 04 दुकानों में तथा गरियाबंद जिले के 04 शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में 05 माह हेतु एवं शेष 149 उचित मूल्य दुकानों में 04 माह के मध्यान्ह भोजन एवं पूरक पोषण आहार योजना के राशन सामग्री का अग्रिम भण्डारण करने के लिए कहा गया है।

राशन सामग्री के अग्रिम भण्डारण कराए जाने हेतु इस संबंध में खाद्य विभाग के वेबसाईट khadya.cg.nic.in/pdsonline में संबंधित विभाग एवं संस्थाओं द्वारा अपने लॉगिन आई. डी. का प्रयोग करते हुए संबंधित माहों हेतु उपरोक्त योजना के खाद्यान्न आबंटन की आनलाईन प्रविष्टि अविलंब दर्ज कराने का कष्ट करें। संचालनालय स्तर से आनलाईन आबंटन जारी किया। संबंधित उचित मूल्य दूकानों के माध्यम से राशन सामग्री का अग्रिम भण्डारण कराया जा सके।

सचिव ने पुलिस, रेलवे, बीएसएनएल के अधिकारियों की ली संयुक्त बैठक

चाईल्ड हेल्पलाईनः प्रभावी बनाने पुलिस के साथ इंट्रीग्रेशन

रायपुर (ए.)। बच्चों एवं महिलाओं को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 24 घंटे आपातकालीन सेवा के रूप में बच्चों के लिए चाईल्ड हेल्पलाईन सी.एच.एल-1098 एवं महिलाओं के लिए महिला हेल्पलाईन डब्ल्यू.एच.एल-181 संचालित है। उक्त हेल्पलाईन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए पुलिस विभाग द्वारा संचालित ई.आर.एस.एस-112 के साथ इंटीग्रेशन किया जा रहा है।

हेल्पलाईन को प्रभावी बनाने मंत्रालय महानदी भवन में महिला एवं बाल विकास की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी ने सी-डैक तिरूअनंतपुरम, पुलिस विभाग की ई.आर.एस.एस-112 की टीम, बीएसएनएल, रेलवे एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को हेल्पलाईन को बच्चों एवं महिलाओं की त्वरित मदद के लिए प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती तुलिका प्रजापति भी मौजूद थी।

सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी ने पिछली बैठक में दिए गए निर्देश के परिपालन की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जानकारी दी गई कि वर्तमान में सभी 33 जिलों में चाईल्ड हेल्पलाईन संचालन हेतु हार्डवेयर लगाया जा चुका है। 32 जिलों में चाईल्ड हेल्पलाईन का डब्ल्यू.सी.डी. कंट्रोल रूम से इंटीग्रेशन कर संचालन प्रारंभ हो चुका है। इंटीग्रेशन की कार्यवाही पूर्ण करने हेतु सी-डैक एवं बीएसएनएल के अधिकारियों को निर्देश दिये गये। राज्य के 27 जिलों के वन स्टॉप सेंटर (सखी सेंटर) में महिला हेल्पलाईन यूनिट की स्थापना एवं इंटीग्रेशन कर संचालन किया जा रहा है। सचिव, महिला एवं बाल विकास ने रेलवे रायपुर एवं बिलासपुर से आए अधिकारियों तथा विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों के सर्वोत्तम हित में रायपुर एवं बिलासपुर रेलवे स्टेशन के उपयुक्त स्थान पर चाईल्ड हेल्पलाईन का संचालन किया जाए। इस संबंध में उन्होंने संबंधित आधिकारियों को शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा अधिकारियों को स्वयं स्थल का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। सचिव, महिला एवं बाल विकास ने चाईल्ड हेल्पलाईन-1098 एवं डब्ल्यू.एच.एल-181 में प्राप्त प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की और लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा, चला बुलडोजर, अतिक्रमण हटाने की हुई कार्रवाई

रायपुर (ए.)। शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे को राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मुक्त कराया। अभनपुर के ग्राम पारागांव में करोड़ रुपए की कीमती लगभग ढाई एकड़ भूमि को कब्जाधारियों ने अतिक्रमण कर लिया था। राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए कब्जा मुक्त कराया। अतिक्रमण हटाने से पहले राजस्व विभाग ने गोबरा नवापारा तहसील में बाकायदा न्यायालय प्रक्रिया पूरी की। 17 मई को बेदखली का नोटिस भी जारी किया गया था।

पारागांव की शासकीय घास भूमि खसरा नंबर 1047, रकबा 4.35 हेक्टेयर भूमि के भाग रकबा 0.87 हेक्टेयर भूमि पर गोबरा नवापारा निवासी महेश सोनकर, मोंगराज सोनकर, मुकुंद मेश्राम और राकेश सोनकर अतिक्रमण कर शासकीय भूमि के चारों ओर बाउंड्री वाला बनवा ली थी और कमरों का निर्माण भी करा लिया था। गोबरा नवापारा तहसीलदार सूरज बंछोर, नायब तहसीलदार और टीआई अवधराम साहू अपने अमले के साथ जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचे। शासकीय भूमि पर किए गए बाउंड्रीकरण और कमरों को ध्वस्त कर अतिक्रमण मुक्त कराया।

एक्शन-थ्रिलर फिल्म महारागनी का जबरदस्त टीजर रिलीज

जबरदस्त एक्शन करती दिखीं अभिनेत्री काजोल

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल करियर में नये-नये चैलेजेस को स्वीकार रही हैं। द ट्रायल, लस्ट स्टोरीज 2 के बाद जैसी शानदार सीरीज के बाद काजोल की अपकमिंग फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है। इसमें एक्ट्रेस पहली बार पर्दे पर एक्शन करती नजर आएंगी। फिल्म का नाम महारागनी है जिसमें काजोल के अलावा प्रभु देवा भी अहम रोल में हैं। टीजर में ही काजोल अपने जबरदस्त एक्शन और मारपीट से आपके होश उड़ा देंगी। बावेजा स्टूडियोज और ई7 एंटरटेनमेंट्स महाराग्नि-क्लीन ऑफ क्वींस का फर्स्ट लुक रिवील कर दिया है।

27 साल बाद साथ आए काजोल-प्रभु देवा यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है जिसमें काजोल और प्रभु देवा करीब 27 साल बाद साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों राजीव मेनन की मिनसारा कनवु (1997) में साथ नजर आए थे। फिल्म के बाकी कलाकारों में नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन, जिशु सेनगुप्ता और आदित्य सील भी शामिल हैं।

चरण तेज उप्पलपति के डायरेक्शन में बनी महारागनी में का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है। निरंजन अयंगर और जेसिका खुराना की लिखित इस कहानी में काजोल शानदार अवतार में हैं। वो रेड सूट पहने ताबड़तोड़ फाइट करती दिख रही हैं। काजोल न सिर्फ गुंडों से लड़ रही हैं बल्कि वह देवी शक्ति के जरिए नारीशक्ति का संदेश भी देती हैं। टीजर के आखिरी में एक्ट्रेस का डायलॉग फुल टू देसी आपको बेहद पसंद आएगा।

फिल्म का निर्माण बावेजा स्टूडियोज और ई7 एंटरटेनमेंट्स लेबल के तहत किया जा रहा है। महाराग्नि - क्लीन ऑफ क्वींस एक पैन इंडिया फिल्म है जिसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज़ किया जाएगा। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट अभी अनाउंस नहीं की है।

एक्ट्रेस कंगना शर्मा ने कराया बोल्ड व सेक्सी फोटोशूट

एक्ट्रेस के किलर पोज देख फैंस हुए मतवाले

फिल्म ग्रेट ग्रांड मस्ती और उल्लू ऐप की वेबसीरीज मोनिका में लीड रोल निभा चुकीं एक्ट्रेस कंगना शर्मा अपने बोल्ड व सेक्सी अवतार के लिए जानी जाती हैं। कंगना सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में कंगना शर्मा ने बोल्ड फोटोशूट कराया है, जिसके वीडियो उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। कंगना ने ब्लैक नेटेड मोनोकिनी पहनी है लाइट मेकअप के साथ बाल खुले रखे हैं और एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज देते दिखाई दे रही हैं।

बॉलीवुड डिवा कंगना शर्मा का अपने फिटनेस के पीछे छिपे राज को लेकर कहती हैं कि वह अच्छी और हेल्थी डाइट फॉलो करती हैं। बता दें कि कंगना शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत साल 2012 में एक मॉडल के रूप में की थी। कंगना शर्मा हार्डी संधू का यार नी मइला, पूजा सिंह के परदें मैं फिर से, नछत्तर गिल का जान लेन तक, जॉनी सेठ का ब्यूटी ओवरलोड और इक्का के निंद्रा जैसे म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुकी हैं। यूजर्स का एक्ट्रेस की बोल्डनेस देख पसीना छूटना लाजमी है और वे मतवाले हो गए हैं।

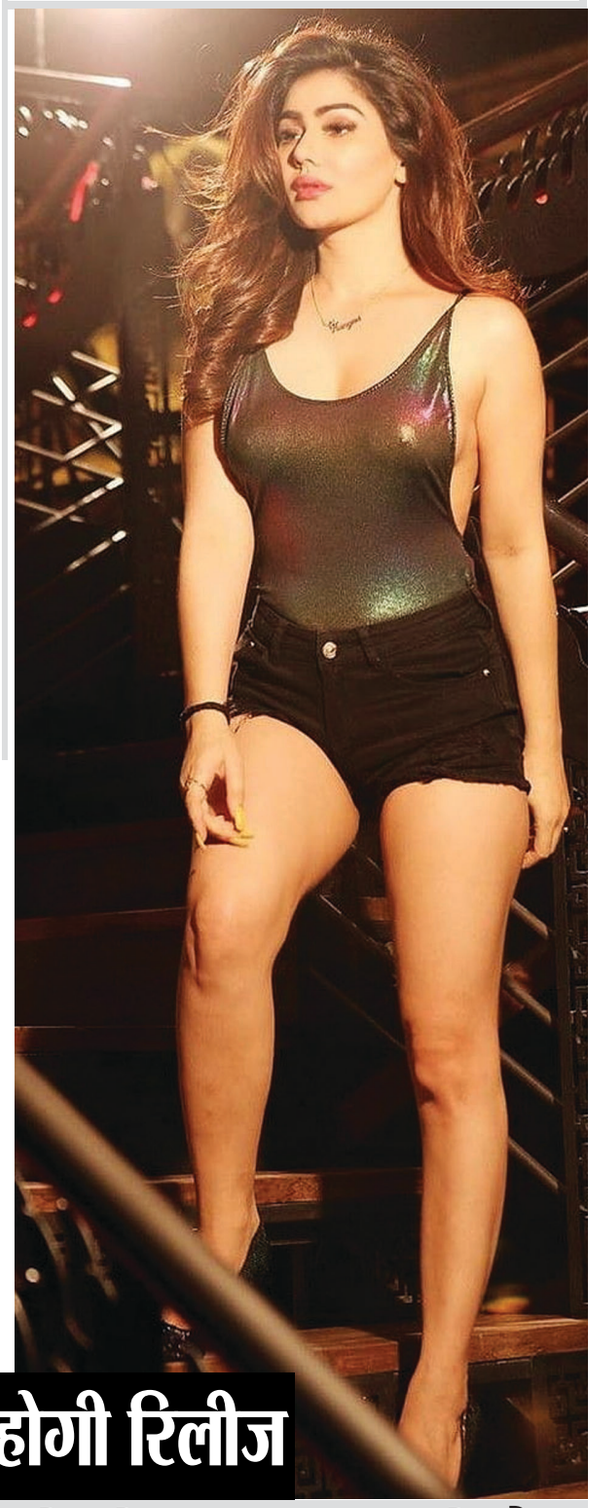

पुकार-दिल से दिल तक में पहली बार निभा रही राजस्थानी किरदार : सायली सालुंखे

नए शो पुकार-दिल से दिल तक में एक्ट्रेस सायली सालुंखे वेदिका का किरदार निभा रही हैं। यह शो राजस्थान की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इस शो को लेकर एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने कभी भी राजस्थानी किरदार नहीं निभाया है। ऐसे में वह इस रोल के लिए और यहां की संस्कृति के बारे में जानने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं।

सायली शो में वेदिका नाम की लड़की की भूमिका निभा रही है, जो पेशे से वकील है और नौकरी की तलाश में है। सायली बातें कुछ अनकही सी में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मैंने पहले कभी भी राजस्थानी किरदार नहीं निभाया है। मैंने पहाड़ी, महाराष्ट्रीयन, पंजाबी और साउथ इंडियन रोल निभाए हैं। मेरे लिए यह एक अलग भूमिका है।

उन्होंने साझा किया, मैं अपने करियर को लेकर भाग्यशाली रही हूं कि मुझे हमेशा हर एक शो में अलग-अलग किरदार मिले, मैंने कभी भी एक ही तरह के किरदार नहीं दोहराए। कुछ लोग लैंग्वेज को लेकर चिंता में रहते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि आज बच्चे कई तरह की लैंग्वेज बोलते हुए बड़े हो रहे हैं। सायली ने कहा, इस किरदार के लिए मुझ पर भाषा को लेकर कोई दबाव नहीं था। उन्होंने आगे कहा, शो में लीड एक्टर उसे अपनी कंपनी में नौकरी देता है, लेकिन इसके पीछे उसका एक खास एजेंडा होता है। मेरा किरदार, वेदिका उसके जॉब के ऑफर को स्वीकार कर लेती है, और जैसा कि अक्सर डेली सोप में होता है और असल जिंदगी में भी होता है, जहां नफरत होती है, वहां प्यार भी होता है।

उन्होंने कहा, शुरुआत में, वेदिका और लीड एक्टर कुछ गलतफहमियों के चलते एक-दूसरे को नापसंद करते थे। मैं इस बारे में अब ज्यादा नहीं बताउंगी। यह एक मजेदार कहानी है जो सामने आने पर रोमांचक होगी। कहानी इस बात के इर्द-गिर्द घूमती है कि कौन सी चीज उन्हें एक साथ लाती है और क्या चीज उन्हें एक साथ काम करने के लिए मजबूर करती है।

शो में करण वी मेहरा भी गौतम की भूमिका में हैं। सायली सालुखे और करण वी मेहरा के अलावा, शा म आभषक निगम, अनुष्का मर्चेंट, सुमुखी पेंडसे और सुखदा खांडेकर जैसे कलाकार भी होंगे। शो का निर्माण प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह ने अपने बैनर एलएसडी स्टूडियोज के तहत किया है। पुकार-दिल से दिल तक का प्रीमियर 27 मई से सोनी पर हो रहा है।

किन लोगों को हीट वेव का है सबसे ज्यादा खतरा

लू से कैसे खुद की जान बचाए

हीट वेव से बच्चे, बुजुर्ग, प्रेग्नेंट महिलाएं और फिल्ड में काम करने लोगों के लिए समस्याएं खड़ी कर सकती है। आइए जानें इससे बचाव करने का तरीका। दिल्ली-नोएडा सहित नॉर्थ इंडिया के ज्यादातर राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। दिल्ली का पारा इन दिनों 45 डिग्री का पार पहुंच गया है। इस दौरान बच्चे, बुजुर्ग और प्रेग्नेंट महिलाओं को बचकर रहने की जरूरत है। बच्चे की इम्युनिटी काफी ज्यादा कमजोर होती है। ऐसी स्थिति में बच्चे का शरीर तापमान को झेल नहीं पाता है। यही कारण है कि बच्चों को बहुत जल्दी लू लग जाती है।

बुजुर्गों का शरीर काफी ज्यादा कमजोर होता है। ऐसी स्थिति में वह कई सारी बीमारियों से जूझते हैं। हीट वेव के कारण दिल, फेफड़ा और डायबिटीज की बीमारी हो सकती है। डायबिटीज और हाई बीपी की समस्या भी हो सकती है। जो लोग फिल्ड वर्क करते हैं। उन्हें अपनी सेहत का खास ख्याल रखना चाहिए। क्योंकि चिलचिलाती धूप में काम करना अपने आप में बेहद टफ काफ है। इसके कारण डिहाइड्रेशन, उल्टी और दस्त की समस्या हो सकती है।

प्रेग्नेंट महिलाएं को गर्मी आम लोगों के मुकाबले काफी ज्यादा लगती है। इस मौसम में गर्भवती महिलाओं को थकान और हीट स्ट्रोक का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। हीट वेव के दौरान पानी वाले फल खाएं जैसे- तरबूज, खरबूज, अंगूर और संतरे जैसी मौसली फल खाएं। ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहें। साथ ही खूब पानी पिएं और फाइबर से भरपूर फल खाएं।

एमी विर्क और सोनम बाजवा की फिल्म दो नामों से होगी रिलीज

ऐसी पहली पंजाबी फिल्म

एमी विर्क इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बैड न्यूज की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वह विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी के साथ नजर आएंगे। अब एमी ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसमें उनकी जोड़ी एक बार फिर सोनम बाजवा के साथ बनी है।यह फिल्म दो-दो नामों के साथ रिलीज होने जा रही है। पंजाबी में फिल्म का नाम कुड़ी हरियाणे वल दी है। फिल्म का हरियाणवी शीर्षक है छोरी हरियाणे आली।

फिल्म में सोनम पहली बार एक जाटनी का किरदार निभा रही हैं और पूरी फिल्म में हरियाणवी बोल रही हैं, जबकि एमी पंजाबी बोलने वाले एक देसी जट्ट का किरदार निभा रहे हैं।ऐसा पहली बार हो रहा है कि कोई पंजाबी फिल्म दो-दो नामों के साथ रिलीज होने जा रही है।फिल्म की रिलीज तारीख से पर्दा उठ चुका है। यह फिल्म 14 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का पहला पोस्टर भी सामने आ चुका है।

ऐमी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया, जिसमें जाटनी सोनम हल पर खड़ी जाट को खींचती नजर आ रही हैं।

उन्होंने पोस्टर को कैप्शन दिया: जट्ट और जाटनी आ चुके हैं। मेरे तेरे नाल नहीं, तेरे लई लड़ना है चाहना। सोनम ने उसी पोस्टर को शेयर किया और लिखा, जट्ट और जाटनी आ चुके हैं। मैं थारे से नहीं, थारे के लिए लड़ना चाहूं।

फिल्म का निर्देशन राकेश धवन ने किया है, जो इससे पहले हौसला रख और आजा मेक्सिको चलिए जैसी फिल्में बना चुके हैं।

गोदी में लेकर चला रहे हैं लैपटॉप तो हो जाएं सावधान

खराब हो सकती है फर्टिलिटी

लैपटॉप को गोद में लेकर काम करते हैं तो सावधान हो जाइए, क्योंकि इससे सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बहुत से लोग गोद में लैपटॉप रखकर काम करते हैं, जो अपनी हेल्थ से खिलवाड़ (Laptop Health Side Effects) कर रहे हैं। इससे न सिर्फ खराब फर्टिलिटी बल्कि अनिद्रा जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जिससे कई दिक्कतें शुरू हो सकती हैं। आइए जानते हैं लैपटॉप गोद में लेकर इस्तेमाल करने से क्या-क्या खतरे हो सकते हैं।।।

स्किन हो सकती है खराब

लैपटॉप से निकलने वाली गर्म हवाएं स्किन के लिए हानिकारक होती हैं। इससे स्किन जलने लगती है, जिसे टोस्टेड स्किन सिंड्रोम कहते हैं। लैपटॉप से निकलने वाले हीट से त्वचा पर ट्रांसिएंट रेड रैशेज निकल सकते हैं। एक मेडिकल रिपोर्ट में बताया गया है कि लंबे समय तक अगर स्किन लैपटॉप या इस तरह के डिवाइस संपर्क में रहती है तो कई समस्याएं हो सकती हैं।

कमर दर्द

गोद में लैपटॉप लेकर ज्यादातर लोग गलत मुद्रा में घंटों-घंटों बैठे रहते हैं। जिससे कमर में असहनीय दर्द हो सकते हैं। इसका असर मेंटल हेल्थ पर पड़ सकता है। इससे बचना है तो आज से ही लैपटॉप का यूज टेबल पर रखकर ही करें।

खराब फर्टिलिटी

अमेरिकन सोसाइटी फॉर रिप्रोडक्टिव मेडिसिन ने एक स्टडी में पाया है कि गोद में लैपटॉप रखकर इस्तेमाल करने से फर्टिलिटी खराब हो सकती है। लैपटॉप से निकलने वाली गर्म हवाएं स्पर्म काउंट और उसकी क्वालिटी कम कर सकती है। इससे गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

आई स्ट्रेन

लैपटॉप अगर लंबे समय तक गोद में रखकर बैठते या इस्तेमाल करते हैं तो इसका असर आंखों पर भी पड़ता है। इससे आंखों में खिंचाव, सूखापन या सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लैपटॉप लेकर पैरों को चिपकाकर बैठने से उसका रेडिएशन सीधे शरीर पर पड़ सकता है, जो खतरनाक हो सकता है।

खास खबर

अधिकारी-कर्मचारियों को वीवीपैट मशीन एवं प्रपत्रों के सीलिंग का दिया गया प्रशिक्षण

कोरबा। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मास्टर ट्रेनर डॉ. एम. एम. जोशी ने निर्वाचन कार्य में संलग्न अधिकारी-कर्मचारियों को गणना के पश्चात् वीवीपैट मशीनों एवं प्रपत्रों की सिलिंग का प्रशिक्षण दिया। डॉ. जोशी ने बताया कि वीवीपैट मशीनों के साइड में लगे एड्रेस टैगों को सावधानी से काटें। इसके पश्चात् वीवीपैट की समस्त पर्चियां निकालकर काले लिफाफे में रखे जाएं। प्रत्येक मतदान केंद्र के वीवीपैट मशीन की सारी पर्चियां काले लिफाफे में रखीं जाएं तथा लिफाफे को अच्छे से सील बंद करें। उन्होंने बताया कि सिलिंग का कार्य दो टीमें करेंगी जिसमें एक टीम वीवीपैट मशीनों को सील करेंगी व दूसरी टीम के द्वारा प्रपत्रों की सीलिंग की जाएगी। उन्होंने बताया कि गणना के पश्चात् वीवीपैट मशीनों से सावधानी पूर्वक बैटरी निकाली जाए तथा वीवीपैट मशीनों को सील किया जाए। इसके साथ ही सी.यू. को भी सील किया जाए। निर्वाचन संबंधी चार महत्वपूर्ण प्रपत्र - ईवीएम पेपर्स, स्क्रूटनी लिफाफे, परिणियत लिफाफे, अपरिणियत लिफाफे को सावधानी पूर्वक सील कर सुरक्षित रखा जाए।

गर्मी में लू से बचने के लिए बरतें सावधानी

सूरजपुर। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देश के परिपालन में जिले में तेज गर्मी को देखते हुए हीट वेव या लू से बचाव एवं स्वस्थ रहने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। गर्मी में तापमान में वृद्धि के कारण लू लगने की आशंका रहती है, जो कि शरीर के लिए खतरनाक एवं जानलेवा हो सकता है। लू के कारण शरीर में नमक व पानी की कमी और पसीने लगातार निकलने से शरीर में गर्मी बढ़ जाती है। सिर में भारीपन और दर्द, तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी और शरीर में दर्द, शरीर का तापमान अधिक होने पर भी पसीना नहीं निकलना, अधिक प्यास लगना और पेशाब कम आना, भूख कम लगना आदि लक्षण दिखाई देने लगते हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्देश के अनुसार लू से बचाव के लिए धूप में कम से कम निकलें। यदि बहुत आवश्यक हो तो सिर व कानों को कपड़े से अच्छी तरह बांधकर ही बाहर निकलें। लू से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा मात्रा में पानी पिएं और नरम, मुलायम और सूती कपड़े पहने। लू के लक्षण होने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सक की सलाह लें।

नौतपा का तेवर तेजः पारा चढ़ा 45 डिग्री के पार

कोरबा। तेज धूप के साथ नौतपा का तेवर लगातार तेज होते जा रहा है। सूर्य की तेज किरणें झुलसा रही हैं। घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से पार होने की वजह से कूलर व ऐसी भी राहत देने में असफल हैं। नौतपा के साथ ही गर्मी अपने चरमोत्कर्ष पर पहुंच गया है। चिलचिलाती धूप लोगों के लिए असहनीय हो गया है। तेज धूप के साथ लू का असर शुरू हो चुका है। दोपहर के समय लोग लंबी यात्राएं करने से परहेज कर रहे हैं। पानी में लोगों के प्राण बस गए है। बाजार में शीतल पेय की बिक्री बढ़ गई है। सूर्यास्त होने के बाद भी वातावरण में तापमान का एहसास जारी है। बुधवार की सुबह से धूप तेज हो गया। नौतपा में तापमान से निजात पाने के लिए लोग तरह तरह की जतन कर रहे है। धूप का असर इतना तेज है कि सूर्योदय के बाद गर्मी का असर भारी पडने लगता है। दोपहर में सन्नटा पसर जाता है। सरकारी व निजी कार्यालयों में अन्य मौसमों की अपेक्षा कामकाज प्रभावित है। सडकों में शाम होने के बाद ही चहल पहल बढ़ती है। भीषण गर्मी का असर भूमिगत जल स्त्रोत में भी देखा जा रहा है। तालाब, कुंआ सूखने के कगार पर आ गए हैं। पेयजल की संकट से भी कई स्थानों में लोगों को जूझना पड़ रहा।

बोइदा के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

कोरबा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोईदा के छात्रों ने शासन प्रशासन के विशेष आदेश पर एवं समर कैंप के तहत छात्रों में उनके अंदर छिपी विशेष प्रतिभा को उभरते हेतु कौशल विकास औद्योगिक शिक्षण विकास उद्देश्य पूर्ति हेतु प्राचार्य लखन लाल बंजारे के संरक्षण पर व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी व शैक्षिक भ्रमण प्रभारी राजेंद्र कुमार नायक के प्रमुख मार्गदर्शन पर औद्योगिक शैक्षिक भ्रमण कराया गया।

निधन

दीनदयाल रंगारी

भिलाई। राजनांदगांव निवासी सेवानिवृत्ति रेंजर दीनदयाल रंगारी का बुधवार 29 मई संध्या 6:15 बजे के करीब हाइटेक हॉस्पिटल स्मृति नगर में निधन हो गया वह 77 साल के थे उनका अंतिम संस्कार 31 मई को संध्या के समय राजनंदगांव लखोली मुक्तिधाम में किया जाएगा वे भिलाई भट्टी के थाना प्रभारी निरीक्षक विपिन रंगारी, भिलाई इस्पात संयंत्र के सहायक महाप्रबंधक सचिन रंगारी, व अलका रंगारी के पिता थे।

हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ने के लिए तैयार विपक्षी दल : अमित शाह

महाराजगंज/देवरिया(एजेसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को महाराजगंज और देवरिया में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने तुष्टीकरण की राजनीति के लिए पिछड़े समाज के आरक्षण पर कैंची चलाने का काम किया है। अमित शाह ने कहा कि विपक्षी दल कहते हैं कि भाजपा आरक्षण खत्म कर देगी। दस वर्ष से भाजपा की सरकार है, कोई आरक्षण खत्म नहीं किया गया। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस वाले झूठ बोलने में माहिर हैं।

अभी ये सहारा के रिफंड का मुद्दा उठा रहे हैं। जब सहारा का घोटाला हुआ तो किसका राज था? अरे अखिलेश बाबू, आपकी सरकार में घोटाला हुआ। मोदी जी ने तो रिफंड की शुरुआत की। मैं आज यहां कह रहा हूं कि सहारा में जिन लोगों का पैसा फंसा है, हम उनकी पाई-पाई वापस करने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि यह चुनाव रामभक्तों पर गोली चलाने वाले और राम मंदिर बनाने वालों के बीच का चुनाव है। आपको तय करना है कि आप राम मंदिर बनाने वाले नरेंद्र मोदी जी के साथ रहोगे या गोली चलाने वाली सपा-कांग्रेस के साथ?

अमित शाह ने कहा कि पीओके हमारा है और हम उसे लेकर रहेंगे। आपकी एक वोट की ताकत देखिए कि मोदी जी ने आतंकवाद से मुक्त करा दिया। पुलवामा में आतंकवादी हमला हुआ, भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक की और पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकवादियों को मारा है। कांग्रेस पार्टी देश को डरा रही है कि पीओके की बात मत करो, पाकिस्तान के पास एटम बम है। अरे, राहुल बाबा पाकिस्तान के एटम बम से हम भाजपा वाले नहीं डरते।

उन्होंने आगे कहा कि मोदी जी 305 सीट पाचवें चरण में ही पार कर चुके हैं। छठे और सातवें चरण में 400 पार करने वाले हैं। 4 जून को काउंटिंग है, 4 जून की दोपहर को ये दोनों शहजादे (राहुल गांधी और अखिलेश यादव) प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और कहेंगे कि ईवीएम खराब थी, इसलिए हम हार गए। इन्होंने तय कर लिया है कि अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ना है। 4 जून को ईवीएम पर हार का ठीकरा फोड़ेंगे और 6 जून की इनकी टिकट बुक है, ये बैंकाक-थाईलैंड छुट्टी मनाने चले जाएंगे। राहुल बाबा 40 सीट भी पार नहीं कर रहे हैं और अखिलेश जी 4 के अंदर रहने वाले हैं।

अमित शाह ने आगे कहा कि देवरिया चीनी का कटोरा कहा जाता था, सपा-बसपा की सरकार में चीनी मिल बंद कर दी गई। हर जिले में एक-एक बड़ी चीनी मिल चालू की जाएगी। एथनॉल को बढ़ावा देकर किसानों का भला किया गया है। मोदी जी ने को-ऑपरेटिव मंत्रालय चालू किया है। इस पूरे क्षेत्र के हर जिले में एक-एक बड़ी को-ऑपरेटिव चीनी मिल मोदी जी चालू करने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि एक समय पूरा उत्तर प्रदेश माफिया और मच्छरों से घिरा था। हमारे योगी आदित्यनाथ ने मच्छर और माफिया दोनों का सफाया कर दिया। स्वच्छता करके मच्छर को समाप्त किया और उनका एक स्टाइल है, जिससे उन्होंने माफिया को भी समाप्त कर दिया। ये भूमि महान तपस्वी संत, युग प्रवर्तक देवरहा बाबा की भूमि है। देवरहा बाबा ही थे, जिन्होंने सालों पहले कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर बनने से कोई नहीं रोक सकता। आज देखिए, 75 साल से अटके हुए राम मंदिर का भूमि पूजन भी हुआ, बन भी गया और मोदी जी ने जनवरी में प्राण प्रतिष्ठा भी कर दी।

माहवारी स्वच्छता और प्रबंधन पर जनजागरुकता के लिए मनाया गया मासिका महोत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर तमनार ब्लॉक के ग्राम पंचायत कोड़केल में मासिका महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव का आयोजन का उद्देश्य लोगो को माहवारी स्वच्छता को लेकर जागरूक करना है। कार्यक्रम में लगभग 350 महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। शिविर में सभी की स्वास्थ्य जांच की गई। विशेषकर किशोरियों के एचबी टेस्ट किए गए।

हिंडाल्को के सहयोग से 18 पंचायत में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान आज कोडकेल के सभी घरों में मटका इनसिनेरेटर लगाया जाएगा और कोडकेल को शत-प्रतिशत माहवारी स्वच्छता प्रबंधन अनुकूल पंचायत बनाया जाएगा। कार्यक्रम में रेड डॉट चैलेंज का हिस्सा बनकर सभी लोगों ने इस मुहिम को घर-घर पहुंचाने की शपथ ली। मौके पर 5 बच्चियों को उनके प्रथम माहवारी पर उनका फूलमाला से स्वागत करते हुए पैड भेंट किया गया। ये पूरा अभियान जिला प्रशासन रायगढ़, जनपद पंचायत तमनार और हिंडाल्को प्रबंधन के सहयोग तथा नव सृजन शिक्षा एवं जन सेवा समिति रायगढ़ द्वारा पावना टीम के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम में कोड़केल की सरपंच श्रीमती रमिला सिदार ने अपने गांव को शत-प्रतिशत माहवारी स्वच्छ बनाने हेतु सहयोग के लिए और लोगों को जागरूक करने के लिए नव सृजन टीम और हिंडाल्को प्रबंधन की सराहना की। यूनिट हेड हिंडाल्को द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सतत फालोअप की आवश्यकता बतायी और इस कार्यक्रम में जुड़े पूरी टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया। मोनिका इजारदार ने बताया कि पावना की शुरूआत वर्ष 2021 में की गई थी जो अब पूरे जिले में एक महाअभियान का रूप ले चुकी है।

इसकी शुरूआत मुख्य रूप से कोरोना काल में महिलाओं तक पैड पहुंचाने के साथ हुई थी जो अब गांव-गांव तक पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि रायगढ़ जिले में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन को 100 प्रतिशत आच्छादन के लिए हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड गारे पेलमा माइंस क्षेत्र मिलुपारा के सस्टेनिबिलिटी एवं सीएसआर का सहयोग लेकर 18 ग्राम पंचायतों के 42 गांव व पारा या टोला में बसे कुल 5470 घरों में निवासरत 23175 लोगों जिनमे 11005 महिलाएं, 11150 पुरुष, 794 किशोर व 1020 किशोरियां है। हमारी टीम पावना टीम के साथ मिलाकर 91 मितानिनों, 65 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और 14 मिडिल स्कूलों के 53, 7 हायर सेकेण्डरी स्कूलों के 70 कुल मिलाकर 123 शिक्षकों, 5 एमटी और 49 एएनएम, आरएचओ, सीएचओ का उन्मुखीकरण कर उनके माध्यम से भी जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन क्या है, व्यक्तिगत स्वच्छता की आवश्यकता क्यों है, अवशोषकों/पैड के उपलब्धता, सही प्रयोग और उनका उचित निपटान, दर्द निवारण प्रबंधन, एचपीव्ही वैक्सीन, सर्वाइकल कैंसर, एनीमिया, पैप स्मीयर टेस्ट, एचबी टेस्ट के विषय में जानकारी, खानपान, रहन सहन और व्यायाम आदि के विषय में लोगों को उन्मुखीकरण अभियान चलाया जा रहा है।

भारतीय नौसेना की बढ़ेगी ताकत समुद्र में गरजेंगे 26 राफेल-एम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और फ्रांस के बीच राफेल को लेकर एक और डील की तैयारी चल रही है। दोनों देश 50 हजार करोड़ रुपये के 26 राफेल समुद्री जेट सौदे के लिए बातचीत शुरू करने वाले हैं। 30 मई को एक उच्चस्तरीय फ्रांसीसी दल वार्ता के लिए भारत आएगा। उसके बाद दोनों देशों के अधिकारी सौदे के अनुबंध पर बातचीत शुरू करेंगे।

रक्षा उद्योग के अधिकारियों ने बताया कि फ्रांसीसी पक्ष लड़ाकू जेट सौदे पर आधिकारिक बातचीत करने के लिए रक्षा मंत्रालय के समकक्षों से मुलाकात करेगा। फ्रांसीसी दल में मूल उपकरण निर्माता डसॉल्ट एविएशन और थेल्स सहित फ्रांस के रक्षा मंत्रालय और उद्योग के अधिकारी शामिल होंगे। वहीं, भारत की ओर से रक्षा अधिग्रहण विंग और भारतीय नौसेना के सदस्य वार्ता में भाग लेंगे। फ्रांस ने भारतीय नौसेना के विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य के लिए 26 राफेल समुद्री जेट खरीदने के लिए भारत की निविदा पर दिसंबर में ही अपनी प्रतिक्रिया जमा कर दी थी। भारत सरकार ने फ्रांसीसी प्रस्ताव का गहन मूल्यांकन किया है, जिसमें विमान के लिए वाणिज्यिक प्रस्ताव और अन्य अनुबंध विवरण शामिल हैं। अब भारतीय और फ्रांसीसी अधिकारियों के बीच कड़ी बातचीत की उम्मीद है, क्योंकि यह सौदा सरकार-से-सरकार के बीच अनुबंध है। नौसेना प्रमुख ने अपनी टीम को परियोजना की समय-सीमा में तेजी लाने का निर्देश दिया है ताकि विमानों को तेजी से अंतिम रूप देने और सूची में शामिल करने को सुनिश्चित किया जा सके।

इस विमान का रेंज 3700 किलोमीटर है। ये अपनी उड़ान वाली जगह से कितनी भी दूर हमला करके वापस लौट सकता है। राफेल की तरह इस विमान में भी हवा में ही ईंधन भरने की क्षमता होती है। इस विमान को खासतौर पर विमानवाहक युद्धपोत के लिए तैयार किया गया है।

भाजपा इंसाफ और इंसानियत की राजनीति करती है : राजनाथ सिंह

सासाराम (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को काराकाट से एनडीए समर्थित राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि राजद की हवा निकलती जा रही है। ऐसे भी लालटेन एक कमरे से ज्यादा क्षेत्र में रोशनी नहीं दे सकता है। आज दुनिया में सबसे कम मंहगाई दर है तो वह भारत में है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भारत में महंगाई दर अगर 2.91 प्रतिशत है तो पाकिस्तान में 48 प्रतिशत, फ्रांस में 19 प्रतिशत, अमेरिका में 7.7 प्रतिशत है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की स्थिति तो ऐसी हो गई है कि डायनासोर की तरह दस साल में पार्टी लुप्त हो जाएगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने कभी भी आंखों में धूल झोंकने की राजनीति नहीं की है। भाजपा जो कहती है, वह करती है। आज जम्मू-कश्मीर से धारा 370 समाप्त कर दिया गया। अयोध्या में प्रभु श्री राम आज झोपड़ी से भव्य मंदिर में पहुंच गए। कल तक लोग तारीख नहीं बताने को लेकर ताना मारते थे, आज वे चुप हो गए।

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि प्रभु श्री राम भव्य मंदिर में पहुंच गए। अब रामराज का आगाज होकर रहेगा। आज सभी को कर्तव्य बोध हो जाए तो रामराज हो जाए। भाजपा धर्म और तुष्टीकरण की राजनीति नहीं बल्कि इंसाफ और इंसानियत की राजनीति करती है। तीन तलाक को समाप्त कर यह हमने साबित किया है।

बता दें कि काराकाट में एक जून को मतदान होना है। यहां एनडीए समर्थित राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा का मुकाबला भाकपा माले के राजाराम सिंह से है। इस सीट से भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह भी निर्दलीय चुनाव मैदान में हैं।

किसानों को समय पर मिले गुणवत्तापूर्ण खाद एवं बीज : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज कलेक्टोरेट के कलेक्टर कक्ष में खाद-बीज वितरण के संबंध में उप संचालक कृषि, उपायुक्त सहकारिता, प्रबंधक बीज निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों की संयुक्त समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि जिले में खाद-बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने खेती किसानी कार्य को देखते हुए खाद -बीज के अग्रिम उठाव के लिए वितरण के कार्य में गति लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक किसान तक खाद-बीज उपलब्ध हो, यह सुनिश्चित करें। किसानों के साथ किसी तरह का धोखा नहीं होना चाहिए। समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज उपलब्ध हो जाना चाहिए। इसके लिए खाद एवं बीज की गुणवत्ता का परीक्षण करते रहें। उन्होंने कहा कि किसानों को धान के बदले अन्य फसल लेने के लिए प्रोत्साहित करें और इसके लिए समन्वित तरीके से सक्रियतापूर्वक कार्य करें। किसानों के हित में तथा उनके आय में बढ़ोत्तरी हो इसके लिए सभी अपने अनुभवों के आधार पर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें। वैज्ञानिक तरीके से खेती-किसानी तथा फसलों से संबंधित समस्या एवं उनका समाधान, फसलों की वेरायटी की पूरी जानकारी होनी चाहिए। किसानों की आय बढ़ाने के लिए संभावनाओं की तलाश करें। समूह में कृषि करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें। पपीता केला एवं अन्य फल तथा चना एवं मिर्च जैसी फसलें कलस्टर में लगाने के लिए प्रेरित करें। सामूहिक रूप से कृषि करने पर किसानों को फायदा मिलेगा।

40 से 50 एकड़ में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी को लक्ष्य देते हुए सामूहिक खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इसके अच्छे परिणाम मिलेगे और लागत कम आएगी। छोटे किसानों को मिलेट्स, दलहन, तिलहन जैसी फसल लगाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि हमारे देश के किसानों को एक्सपोर्ट आरिएंटेड किसान बनाने की जरूरत है। बहुत सी फसलें ऐसी हैं जो धान से ज्यादा लाभकारी है।

बैठक में बताया गया कि जिले में खरीफ 2024 अंतर्गत 32355 मीट्रिक टन रासायनिक खाद भण्डारण किया गया है, जो कुल भंडारण का लगभग 73 प्रतिशत है। जिसमें से 21168 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का वितरण किसानों को किया जा चुका है तथा 11187 मीट्रिक टन रासायनिक खाद शेष है। जिसमें यूरिया 13599.2 मीट्रिक टन, सुपर फास्फेट 4385.8 मीट्रिक टन, डीएपी 7620.3 मीट्रिक टन, एनपीके 4228.8 मीट्रिक टन, पोटाश 2521.4 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का भण्डारण किया गया है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

शराबी बेटे ने ईंट से मारकर की मां की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

कोटा (ए.)। कोटा के घोंघा जलाशय के कोरी पारा में शराबी बेटे ने 60 वर्षीय माँ की ईंट से मारकर हत्या कर दी है। कोटा पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपी बेटे को अपने गिरफ्त में ले लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार कोटा के कोरी पारा में रहनी वाली मृतका कुंती बाई यादव पति स्व. मोहन लाल यादव लगभग 60 वर्ष की हत्या उसके ही मंझले बेटे ने ईंट से मार मारकर कर दी, जिसकी जानकारी गांव वालों ने कोटा थाना के डायल 112 को दी जिसके बाद डायल 112 के आरक्षक ने कोटा थाना प्रभारी को इसकी सूचना दी, सूचना मिलते ही कोटा थाना प्रभारी पुलिस स्टॉप के साथ घटना स्थल पहुचकर शव का पंचनामा किया। साथ ही आरोपी बेटे की तलाश में जुट गई। कुछ ही घंटे के अंदर कोटा पुलिस ने आरोपी बेटे को अपने गिरफ्त में ले लिया है। आरोपी बेटा अपनी माँ की हत्या किस लिए की है इसकी जानकारी पूछताछ के बाद ही पता चल पाएगा। कोटा पुलिस ने मृतिका कुंती बाई के शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम हो जाने के बाद मृतका के शव को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौप दिया है।

सरकारी आवास में मिला रेंजर का शव, वन अमले में मचा हड़कंप

गरियाबंद (ए.)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिला स्थित सरकारी आवास में रेंजर के शव मिलने से यहां पर अफरा तफरी मची हुई हैं। दरसअल विभाग के कर्मचारियों के कमरे से रेंजर भारत भूषण दास बंद कमरे में पड़ा मिला था। जिसके बाद इलाज के लिए उन्हें जिला अस्पताल लाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने रेंजर भारत भूषण को मृत घोषित कर दिया हैं। सूत्रों मे मुताबिक ये पूरा मामला गरियाबंद के वन मंडल का बताया जा रहा है। आपको बता दें कि रेंजर भारत भूषण दास वन विभाग कैंपस के सरकारी आवास में रहते थे। मृतक का पोस्टमार्टम आज सुबह जिला अस्पताल में होगा। जिससे इस मौत की वजह का असली कारण सामने आ जाएगा फिलहाल पुलिस इस मामले में कार्रवाई कर रही हैं, और जांच में जुटी हुई हैं।

तेज रफ्तार बस ने ऑटो को मारी टक्कर, पांच गंभीर रूप से घायल

कोरबा (ए.)। जिले में आए दिन सड़क हादसे हो रहे है वही आज फिर एक सड़क हादसे की खबर सामने आई है जहां कोरबा चंपा मार्ग पर गौमाता चौक के पास तेज रफ्तार बस ने ऑटो को पीछे से टक्कर मार दी जिसमें ऑटो में सवार ड्राइवर समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानी लोगों के मदद से सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लाया गया। जहां सभी घायलों का को उपचार जारी है। ऑटो चालक सोनू महंत ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया सीतामढ़ी वैष्णो दरबार निवासी पांच लोग ऑटो में सवार होकर कुदुरमल भागवत कथा सुनाने जा रहे थे इसी दौरान गौ माता चौक के पास बड़ी मात्रा में राखंड बिखरा हुआ है राखंड के उड़ने से सामने कुछ दिखाई नहीं दिया और सामने से आ रहे हैं बस चालक ने ऑटो को ठोकर मार दिया जिस ऑटो सवार सभी लोग घायल हो गए यह स्थान पर कोई पहली घटना नहीं है इससे पहले भी कई हादसे हो चुके है। और कई लोगों की जान चली गई है।

भरभरा कर गिरा निर्माणाधीन बिल्डिंग का स्ट्रक्चर

13 मजदूर दबे, घायलों में नौ पुरुष और चार महिलाएं शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जेवरा सिरसा चौकी के अंतर्गत चिखली गांव में निर्माणाधीन क्लब हाउस की बिल्डिंग का 27 फीट ऊंचा स्ट्रक्चर भरभरा कर नीचे गिर गया। इसके नीचे गिरने से स्ट्रक्चर के नीचे 13 मजदूर दब गए। घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। आनन फानन में मजदूरों को बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया। सभी मजदूरों की हालत सामान्य बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद जेवरा सिरसा पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार चिखली गांव के शिवनाथ नदी से सटे बाफना गोल्फ क्लब की है। यहां क्लब हाउस की बिल्डिंग का काम चल रहा है। बुधवार को सुबह यहा मजदूर काम कर रहे थे। 27 फीट ऊंचा स्ट्रक्चर बनाया गया और इसकी ढलाई होनी थी। इस बीच स्ट्रक्चर भरभराकर नीचे गिर गया और मौके पर काम कर रहे 13 मजदूर नीचे दब गए। स्ट्रक्चर गिरते ही मौके पर अफरा-तफरा मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही जेवरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की टीम राहत और बचाव कार्य में जुट गई और मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकाला। घायलों में नौ पुरुष और चार महिलाएं शामिल है।

हादसे में यह मजदूर हुए घायल

जेवरा सिरसा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हादसे में सुखमनदास मानिकपुरी (40) निवासी मठपारा दुर्ग, महेंद्र कुमार वैष्णव (34) निवासी डौंडी बालोद, सुखचैन यादव (42) निवासी पुरई उतई और उदय कुमार टेमरे (20) निवासी बाफना बाड़ी चिखली, लुकेश कुमार बंजारे (36) निवासी कोसा बालोद, हेमलता चंदेल (32) निवासी स्टेशन मरोदा भिलाई, पूर्णिमा कोसरे (43) निवासी अंडा दुर्ग, डिलेश्वर साहू (27) निवासी तेजू राइस मिल के पास दुर्ग, गोपाल राम (33) मरोदा भिलाई, पुष्पा बारले (30) मरोदा भिलाई, धर्म ठाकुर (32) सिर्री बालोद, खिलावन साहू (34) रिसाली भिलाई और प्रमिला साहू (37) स्टेशन मरोदा घायल हो गए। सभी को अलग अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

27 फीट ऊंचे पोर्च पर मौजूद थे मजदूर

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ढलाई के दौरान 8 मजदूर 27 फीट ऊंचे पोर्च के ऊपर मौजूद थे। वहीं 4 मजदूर नीचे थे। जैसे ही पोर्च भरभराकर गिरा सभी मजदूर उस मलबे में समा गए। इसके बाद वहां चीख-पुकार शुरू हो गई। सूचना मिलते ही जेवरा सिरसा चौकी पुलिस भी वहां पहुंची। राहत और बचाव कार्य करके कई घंटे बाद सभी मजदूरों को मलबे से बाहर निकाला गया। जेवरा सिरसा चौकी पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक दुर्घटना में दो श्रमिकों को गम्भीर चोटें आई हैं। घायल हुए मजदूरों में से 4 मजदूरों को जिला अस्पताल, 4 मजदूरों को महिमा अस्पताल और 5 मजदूरों को साईं अस्पताल केलाबाड़ी दुर्ग में भर्ती कराया गया है। यहां से कुछ मजदूरों को गंभीर हालत के चलते बीएम शाह हॉस्पिटल में रेफर किया गया है।

मजदूरों की सुरक्षा में लापरवाही

इतने बड़े स्लैब की ढलाई के दौरान सुरक्षा का बिल्कुल ध्यान नहीं दिया गया था। जेवरा सिरसा चौकी पुलिस के मुताबिक किसी भी मजदूर को 27 फीट ऊंचाई में काम कराने के बाद भी ना तो हेलमेट दिया गया था, ना ही अन्य सुरक्षा के उपाए किए गए थे। सेंटरिंग की मजबूती को लेकर भी लापरवाही बरती गई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ओवरलोड सवारी वाहनों पर कार्रवाई

ट्रैफिक पुलिस ने काटा 50 ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों का चालान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस के यातायात विभाग द्वारा ओवरलोड वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। बुधवार को हाइवे पर ट्रैफिक पुलिस ने ऐसे ऑटो व ई-रिक्शा चालकों पर कार्रवाई की जो अपने वाहन में तय सीमा से ज्यादा लोगों को बिठाकर चलाते हैं। यातायात पुलिस ने 50 ऐसे वाहनों पर कार्रवाई की। इन लोगों से यातायात पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालान बनाया और दोबारा ऐसे पकड़े जाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

बता दें शहर में सवारी वाहनों में ओवललोड की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। इसे देखते हुए एसपी दुर्ग जितेन्द्र शुक्ला के निर्देश पर डीएसपी ट्रैफिक सतीष ठाकुर व संदानंद विध्यराज के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। इस दौरान यातायात जोन दुर्ग, सिविक सेन्टर, भिलाई 03 एवं आकाश गंगा जोन द्वारा ओवर लोड, बगल में सवारी बैठाना, बिना वर्दी एवं नो पार्किंग में खडे ऑटो एवं ई-रिक्शा वालों पर कार्रवाई। ट्रैफिक पुलिस ने ऐसे 50 ऑटो चालको पर मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं के तहत कार्रवाई कर चालान वसूला।

सोता रहा पति, पत्नी सोने-चांदी सहित नगद लेकर फरार

सारंगढ़ (ए.)। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में एक लुटेरी दुल्हन शादी की पहली रात ही दूल्हे के परिजनों को लूटकर फरार हो गई। बताया जा रहा है कि दूल्हा सोता ही रह गया और दुल्हन कैश और सोने-चांदी लेकर फरार हो गई। मामला सारंगढ़ थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, केशव प्रसाद और पूजा पटेल फेसबुक के जरिए दोस्त बने थे। इसके बाद दोनों ने शादी करने का फैसला लिया। बताया जा रहा है कि केशव ओडिशा के पदमपुर में लड़की को देखने गया। वहां लड़की उसे पसंद आ गई। इस बीच दुल्हन के परिवार ने शादी के खर्च के लिए दूल्हे से दो लाख रूपए मांगे। दूल्हे के परिवार वालों ने पैसे दे दिए। इसके बाद दोनों ने शादी कर ली। दूल्हे का कहना है कि, शादी की पहली रात के एक बजे जब उसकी नींद खुली तो दुल्हन वहां पर नहीं थी। इसके बाद उसने उसे ढूंढ़ा लेकिन वह कहीं नहीं दिखी। दूल्हे के परिजनों ने बताया कि, दुल्हन 10 हजार कैश समेत सोने-चांदी के जेवर लेकर भाग गई है। उन्होंने उसके खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रायपुर के फोम फैक्ट्री में लगी भीषण आग

दो महिला कर्मचारियों की मौत; दमकल की टीम ने आग पर पाया काबू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के गोंदवारा स्थित फोम फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग लगने से दो महिला कर्मचारियों की मौत हो गई। वहां मौजूद अन्य कर्मचारियों ने भागकर अपनी जान बचाई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और दमकल की गाडियां मौके पर पहुंची। फिलहाल फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है। फेम फैक्ट्री में लगी आग इतनी भीषण थी कि धुएं का गुबार दूर तक दिखाई दे रहा था।

मिली जानकारी के अनुसार आग लगभग शाम चार बजे लगी। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में सात लोग काम कर रहे थे। आग लगने से पांच पुरुष भागकर निकलने में कामयाब रहे, लेकिन दो महिला कर्मचारी आग के चपेट में आ गईं। दमकल की टीम ने दोनों महिलाओं को फैक्ट्री से बाहर निकाला। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दोनों की मौत हो गई। दोनों मृतका की पहचान यमुना और रामेश्वरी की रूप में हुई है।

फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

पुलिस ने बताया कि फैक्ट्री संचालक महेश लाल चंदानी से शुरुआती पूछताछ में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट सामने आ रही है। फोम फैक्ट्री में आग लगते ही लपटें तेजी से चारों तरफ फैल गईं। इस दौरान यहां काम कर रहे मजदूरों ने पहले तो बुझाने की कोशिश की, लेकिन फोम और इसे

चिपकाने के केमिकल रखे होने के कारण आग भड़क गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि फैक्ट्री की दीवारों पर दरारें पड़ गईं। इसके अलावा फैक्ट्री का शटर जलकर पिघल गया। छत के लोहे के प्रेम के ढांचे हाई टेंपरेचर में झुलस कर नीचे आ गिरे।

भागकर मजदूरों ने बचाई जान

फोम फैक्ट्री में दोपहर का 3 बजे के आसपास वे लोग फोम काटने का काम कर रहे थे। इस दौरान फैक्ट्री की एक ओर से अचानक आग की कुछ लपटें दिखी। बाल्टी में पानी लेकर हम उसे बुझाने के लिए दौड़े, लेकिन कुछ मिनटों में आग फैल गई। इसके बाद मजदूरों ने भागकर जान बचाई। फोम फैक्ट्री होने के बाद भी इस फैक्ट्री में आग बुझाने का कोई सिस्टम नहीं था।

एफआईआर को लेकर सौंपा ज्ञापन

अब तक लापता 8 लोगों का नहीं मिला सुराग, डीएनए रिपोर्ट का इंतजार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिला में बीते 25 मई शनिवार की सुबह 7.57 बजे स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड कंपनी के फैक्ट्री में ब्लास्ट हो गया था। यह फैक्ट्री बेरला थाना क्षेत्र के ग्राम पिरदा (बोरसी) में है। घटना में अब तक एक की मौत सात घायल हुए हैं। घायलों का उपचार रायपुर के मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। जिस यूनिट में यह ब्लास्ट हुआ है वहां पर काम कर रहे आठ श्रमिकों का अब तक कोई पता नहीं चल सका है।

इस मामले में पुलिस ने कंडरका पुलिस चौकी में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की है। इसके अलावा ब्लास्ट के बाद मलबे से शरीर के अंग मिले हैं जिसे रायपुर के मेडिकल कॉलेज में भेजा गया है। लापता हुए लोगों के परिजनों का डीएनए कराया जाएगा। इसे लेकर दो दिन पहले ही परिजनों से बाल व ब्लड का

सैंपल लिया गया है। दूसरी ओर इस घटना के बाद रविवार से फैक्ट्री के सामने छत्तीसगढिया क्रांति सेना व परिजनों द्वारा प्रदर्शन किया जा रहा है जो कि बीते चार दिन से जारी है।

इन लोगों की मांग है कि 50 लाख रुपये मुआवजा, सरकारी नौकरी व फैक्ट्री बंद कराने की है। घटना के बाद अब तक फैक्ट्री प्रबंधन पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। इसे लेकर कांग्रेस के नेताओं ने बेमेतरा एसपी रामकृष्ण साहू को ज्ञापन सौंपा है। बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने किहा कि इस गंभीर हादसे के मामले में कंपनी संचालक/फैक्ट्री संचालक के विरूद्ध अब तक किसी भी प्रकार का थाने में प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है। स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड कंपनी संचालक एवं कंपनी के जिम्मेदार पदाधिकारियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करवाने की मांग की गई है। चेतावनी दी कि अगर शीघ्र एफआईआर दर्ज होकर निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन किया जाएगा। वहीं इस मामले में मजिस्ट्रियल जांच शुरू कर दी है। 45 दिन में जांच रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंपनी है।

ग्रामीण बैंक में चोरी का प्रयास, तीन गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। बलौदा थाना क्षेत्र के ग्राम जर्वे में ग्रामीण बैंक को चोरों ने निशाना बनाया। योजना बनाकर बैंक के कैश वाल्ट को काटने की कोशिश गई थी, जिसमे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, चोरी की घटना में प्रयुक्त औजार को भी बरामद किया गया है। ग्रामीण बैंक के मैनेजर अजय बा ने रिपोर्ट दर्ज कई कि दिनांक 25 से 26 मई की मध्य रात्रि में अज्ञात चोरों ने बैंक के गेट में लगे ताले को तोड़कर कैश वाल्ट को काटने की कोशिश की। बैंक में चोरी का प्रयास किया गया है। बलौदा थाने में धारा 380, 457 के तहत मामला दर्ज किया गया। सायबर सेल टीम के द्वारा आसपास की दुकानों में लगे 150 सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को देखा गया, जिसमें संदेहियों की पहचान शुभम गुप्ता, गोपेश यादव और अभिषेक कश्यप के रूप में की गई। बलौदा पुलिस और साइबर टीम की संयुक्त टीम ने अभिषेक कश्यप को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में अभिषेक ने बताया कि वह अपने दो अन्य साथी शुभम और गोपेश के साथ ग्रामीण बैंक देखने गया था। रात में कोई कर्मचारी य सुरक्षा गार्ड नहीं रहते हैं। इसके बाद बैंक में चोरी करने के लिए योजना बनाई। शुभम और गोपेश ने हार्डवेयर की दुकान से ग्राइंडर मशीन और लोहा काटने का समान खरीदा। 24 मई की रात में बैंक के पास जाकर रेकी की और रात में चोरी करने के लिए गये। वहीं, तीनो आरोपी शुभभम गुप्ता (27), गोपेश यादव (34), अभिषेक कश्यप (28) को गिरफ्तार किया गया है।

गुम हुई गाय के चक्कर में ग्रामीण की पीट-पीटकर हत्या

रायगढ़। गुम हुई गाय के संबंध में पूछताछ करने पर बिफरे दो युवकों के द्वारा मिलकर एक ग्रामीण की डंडे से पीट-पीटकर हत्या करने और महिला को गंभीर रूप से घायल करने के दो साल पुराने मामले में सत्र न्यायाधीश ने आरोपियों को दोष सिद्ध करार देते हुए आजीवन कारावास और जुर्माने से दंडित किया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार मामला संक्षेप में इस प्रकार है कि सेसो कुमार यादव ड्राइवरी का काम करता है तथा अभियुक्त विभाष प्रजा हेल्पर है। दो अगस्त 2022 की दोपहर एक बजे अभियुक्तगण टंकी की ओर नहाने जा रहे थे, तभी मृतक बंशीधर यादव अभियुक्त सेसो कुमार से अपनी गाय के बारे में पूछा। इस दौरान सेसो कुमार यादव ने बताया कि वह उसकी गाय चोरी नहीं की है, एक्सीडेंट में मर गई है। इसके बाद सेसो कुमार यादव और बंशीधर यादव के बीच विवाद की स्थिति निर्मित हो गई और फिर सेसो कुमार यादव और विभाष प्रजा ने मिलकर डंडे से बंशीधर यादव के सिर में हमला कर दिया।

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

गर्मी में मैत्री बाग के जानवर भी बेहाल, प्रबंधन ने शेर के लिए बनाया कृत्रिम वाटर फॉल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में इन दिनों नौतपा के कारण पारा चौथे आसमान पर है। तेज गर्मी से आम लोगों के साथ जानवर भी परेशान हैं। इसबीच भिलाई इस्पात संयंत्र के उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित मैत्री बाग के चिड़ियाघर में भी जानवरों का हाल बेहाल है। मैत्रीबाग के चिड़ियाघर में मौजूद जनवरों को तपती गर्मी से बचाने विशेष प्रबंध किए गए हैं। चिड़ियाघर में सफेद शेर के लिए प्रबंधन ने कृत्रिम वॉटर फॉल बनाया है जिससे इन्हें राहत मिल रही है। इसी प्रकार अन्य जानवरों के लिए भी अलग अलग व्यवस्थाएं की गई हैं।

उपमहाप्रबंधक (उद्यानिकी) एवं मैत्रीबाग प्रभारी डॉ नवीन कुमार जैन ने बताया कि हीट वेव से चिड़ियाघर के वन्यप्राणियों की रक्षा हेतु वातावरण को ठंडा रखा जाता है। मैत्रीबाग चिड़ियाघर में वर्तमान में करीब 340 वन्य प्राणियों को रखा गया है। इन वन्य प्राणियों को गर्मी से बचाने के लिए मैत्रीबाग प्रबंधन द्वारा प्रत्येक वर्ष विशेष प्रबंध किये जाते हैं। जिसके लिये कृत्रिम झरने, तथा स्प्रिंकलर आदि विभन्न माध्यमों से पानी का छिड़काव किया जा रहा है जिससे जानवरों को ठंडक का अहसास होता है। डॉ जैन ने बताया कि बंदरों और पक्षियों के लिए स्प्रिंकलर लगाए गए हैं, तथा सांभर, हिरण के इन्क्लोजरों मे फव्वारों की व्यवस्था की गयी है जिससे उस क्षेत्र मे तापमान कम होने से इन्हें गर्मी से बचाया जा सके। बाघों के लिए कृत्रिम वाटरफॉल तैयार किये गए हैं। सांभर हेतु मडबाथ का इंतज़ाम किया गया है। हिरणों, सांभर एवं ब्लैक बक, बाघों एवं सिंह के इन्क्लोज़रों में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि मोट में हमेशा पानी भरा रहे।

इसके अतिरिक्त स्पॉटेड डियर एवं सांभर को गर्मी से बचाव हेतु शेड के ऊपर स्प्रिंकलर द्वारा पानी का छिडकाव किया जा रहा है। सभी इन्क्लोजरों के द्वार पर टाईफा चटाई लगायी गयी है जिससे पानी का छिडकाव कर पिंजरों को ठंडा रखा जाता है।

इसके अतिरिक्त, जानवरों के पिंजरों के धूप से बचाव के लिए चारों तरफहरे नेट भी लगाये गए हैं। खुले में रहने वाले जानवरों पर पानी की बौछार की जाती है।

जानवरों के खानपान का भी विशेष ध्यान

डॉ जैन ने बताया तपती गर्मी में जानवरों के खाने-पीने में भी मौसम के अनुरूप बदलाव किये गए हैं जिससे उनके शरीर में ठंडक बनी रहे और इनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर न पड़े। बंदरों और अन्य जानवरों के भोजन में तरबूज, ककड़ी एवं खरबूजा जैसे फलों को शामिल किया गया है। इसके अलावा जानवरों के लिए पानी की भरपूर व्यवस्था की गई है जिससे कोई भी जानवर प्यासा न रहे। चिड़ियाघर में मौसम के हिसाब से जानवरों के खानपान में आवश्यक बदलाव किए जाते हैं।

खास - खबर

सिकल सेल ईलाज पुस्तिका का विमोचन

दुर्ग। संगवारी व पहल प्रयास से परिणाम के अंतर्गत जिला चिकित्सालय दुर्ग में सिकल सेल मरीजों के उचित उपचार एवं देखभाल के लिए एक ईलाज पुस्तिका का विमोचन डॉ. हेमंत कुमार साहू, सिविल सर्जन डॉ. अखिलेश यादव, डॉ. नेहा बाफना, डॉ. योगेश्वर कालकोन्डे (न्यूरोलॉजिस्ट), डॉ. बैद्यनाथ, डॉ. ओमप्रकाश वर्मा (अस्पताल सलाहकार) कु. गीता एक्का, प्रवीण कुमार, कु. धर्मीन, लक्ष्मीचंद की उपस्थिति में किया गया। जिला चिकित्सालय दुर्ग में सिकल सेल का नि:शुल्क जांच उपचार एवं परामर्श दिया जा रहा हैं, सिकल सेल मरीजों के ईलाज के लिए एक ईलाज पुस्तिका उपलब्ध हैं, जिसे कक्ष कंमाक 17 मेन ओ.पी.डी. से प्राप्त किया जा सकता हैं। अधिक जानकारी के लिए सिकल सेल हेल्पलाईन नंबर 9302404491 पर संपर्क किया जा सकता हैं।

9691 कृषकों को पीएम फसल बीमा क्षतिपूर्ति राशि का होगा भुगतान

दुर्ग। जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत मौसम खरीफवर्ष 2023 में 81101 किसानों द्वारा 100396 हेक्टेयर रकबे में अधिसूचित फसलों का बीमा कराया गया है। जिसमें से कुल 9691 कृषकों को क्षतिपूर्ति राशि 38892256 रूपए का भुगतान किया जाना है। उप संचालक कृषि एल.एम. भगत ने बताया कि अभी तक 9512 कृषकों को क्षर्तिपूर्ति राशि 37077396 रूपए का भुगतान किया गया है। शेष 179 कृषक को क्षतिपूर्ति राशि 1814860 रूपए का भुगतान राष्ट्रीय फसल बीमा पर अपलोड थ्रेसहोल्ड उपज एवं औसत उपज के हैरारकी में विसंगति प्रदर्शित होने के कारण लंबित है। रबी 2023-24 में 29314 किसानों द्वारा रकबा 42035 हेक्टेयर में अधिसूचित फसलों का बीमा कराया गया है। वर्तमान में दावा क्षतिपूर्ति की गणना की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

4 जून को मदिरा दुकानों के लिए शुष्क अवधि, शुष्क दिवस घोषित

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 (1) के तहत् प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुये दुर्ग जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 की मतगणना तिथि 04 जून 2024 दिन मंगलवार को मतगणना स्थल क्षेत्र श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल विश्वविद्यालय जुनवानी भिलाई एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में मदिरा दुकानों के लिए ष्शुष्क अवधि/शुष्क दिवसष् घोषित किया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी चौधरी के आदेशानुसार उक्त अवधि में मतगणना स्थल क्षेत्र एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित समस्त देशी मदिरा एवं विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानें, रेस्टॉरेन्ट बार, होटल-बार, क्लब आदि जैसे- एफएल.-1 (घघ), एफएल.-1 (घघ-कम्पोजिट), सी.एस.-2 (घघ), सी.एस.-2 (घ-कम्पोजिट अहाता), एल.एल.-1 (ख-अहाता), एफएल 3, 4 (क) सम्पूर्ण दिवस बंद रहेंगे।

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों साथ सरकारी व निजी स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक

नया शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले सभी तैयारियों को प्लानिंग के साथ पूरी करने दिया निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को कृष्णा पब्लिक स्कूल के सभागार में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पहले कार्य योजना बनाकर सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आगामी 16 जून से शत-प्रतिशत स्कूलों में शाला प्रवेश उत्सव मनाने तथा पाठ्य-पुस्तक, गणवेश एवं साइकिल वितरण कराने को कहा। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को जिले में शिक्षा के स्तर और बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास करने तथा नवाचार को अपनाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर चौधरी ने कहा कि बच्चों के विकास और भविष्य के लिए पढ़ाई का होना बहुत जरूरी माना गया है और उन्हें शिक्षा स्कूलों से प्राप्त होती है।स्कूल कई प्रमुख तरीकों से बच्चों के संज्ञानात्मक और शैक्षणिक विकास में योगदान देते हैं। बच्चों का विकास करना और उनकी क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रत्येक शिक्षक और प्राचार्य की जिम्मेदारी है।

बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए यह बेहद जरूरी है कि पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ वह अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय रहे। कलेक्टर ने कहा कि परीक्षा में बेहतर परिणाम के लिए बालक-बालिकाओं के साथ-साथ शिक्षकों को मेहनत करने की आवश्यकता है। शिक्षा के स्तर में सुधार और परीक्षा परिणाम बेहतर हो इसके लिए बच्चों के साथ-साथ शिक्षकों को भी मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अधिकार (आरटीई) पोर्टल का सत्यापन आप लोगों के द्वारा किया जाता है।

शाला त्यागी बच्चों को फिर से लाएं वापस

कलेक्टर ने आरटीई के तहत दिए गए प्रवेश में से लगभग 10 प्रतिशत बच्चों के ड्रॉप आउट होने पर चिंता प्रकट की तथा विद्यालयवार इसकी समीक्षा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले में स्कूलों से ड्रॉप आउट बच्चों से शाला त्यागने की वजह को जानकर उनकी समस्याओं का समाधान करवाने पहल करने को कहा। उन्होंने स्कूल के प्राचार्य को इसके लिए विशेष प्रयास करने हेतु निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने कहा कि बच्चे स्कूल क्यों नहीं आ रहे इसकी जानकारी स्कूल के प्राचार्य को होनी चाहिए। जिले में सभी स्कूलों का संचालन समय सारिणी के अनुरूप हो यह सुनिश्चित करें। साथ ही सभी शासकीय एवं निजी स्कूल के शिक्षक और प्राचार्य विद्यालय समय पर पहुंचे इसका विशेष ध्यान रखे।

बच्चों से हो अच्छा व्यवहार

कलेक्टर ने कहा कि नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत प्रत्येक बच्चे को शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। निजी विद्यालयों में आरटीई के तहत प्रवेश करने वाले बच्चों से वैसा ही व्यवहार करें अधिनियम के तहत प्रवेशित कुछ बच्चे पढ़ाई के मध्य में ही विद्यालय का त्याग कर देते हैं, परंतु उनक विद्यार्थियों का नाम पोर्टल में प्रदर्शित होता रहता है। ऐसी स्थिति में संबंधित विद्यालय के द्वारा उन विद्यार्थियों को ड्राप आउट मार्क किया जाना अनिवार्य है। देखा गया है कि अधिकांश विद्यालयों द्वारा आरटीई पोर्टल में कार्यवाही नही की जाती है।

निकल रही हैं प्रतिभाएं

जिले में समर कैम्प चल रहा है, जिससे बच्चों की प्रतिभाएं बाहर निकलकर आ रही है। उन्होंने कहा कि समर कैम्प के माध्यम से बच्चों की प्रतिभाओं का चिन्हांकन करना है और उसे उस दिशा में विकसित करना है। बच्चों में व्यक्तित्व विकास और आत्मविश्वास होना चाहिए। इसके लिए कार्ययोजना बनानी चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि 9वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं कक्षा के बच्चों पर विशेष ध्यान देते हुए उनको थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल भी कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शिकायते पाए जाने पर संबंधित स्कूलों के प्राचार्यो के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों को कुंजी से पढ़ाने वाले शिक्षकों पर होगी कार्रवाई

कलेक्टर ने शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए स्कूल के अध्यापकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि बच्चों को उनके पाठ्यपुस्तकों से पढ़ाई कराएं, बच्चों को कुंजी से पढ़ाते हुए कोई अध्यापक पाए जाने पर उस पर कार्यवाही की जाएगी। साथ ही शिक्षकों को बच्चों को विषयवार नोटस बनाने प्रेरित करने को कहा। जो सफलता व ज्ञान पाठ्यपुस्तक से मिल सकती है वह ज्ञान कुंजी से नही मिल सकती। स्कूलों के प्राचार्य से परिणामों में कमियों का संज्ञान लिया और परीक्षा परिणाम पूर्व वर्ष के परिणामों से बेहतर करने के निर्देश दिए।

कमजोर बच्चों पर दें विशेष ध्यान

कलेक्टर ने कहा कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान देने को कहा। इसके लिए बच्चों का वर्गीकरण किया जाए, ताकि पता चल सके कौन सा बच्चा पढ़ाई में उत्तम है, मध्यम है और कौन सा बच्चा कमजोर है, उस आधार पर उसकों गाईड लाईन देना है। उन्होंने कहा संवाद सबसे अच्छा माध्यम है एक शिक्षक का संवाद जितना अच्छा रहेगा बच्चे और शिक्षक की दूरिया उतनी ही कम होगी। बच्चे खुलकर विषयवार अपनी समस्या बता सकेंगे। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को सभी शासकीय एवं निजी स्कूलों में आधार कार्ड बनाने के लिए शिविर लगाने को कहा, ताकि स्कूल में भर्ती के समय आधार कार्ड से संबंधित समस्या न आए।

नगर निगम का फाइट द बाइट अभियान निरन्तर जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वर्षा ऋतु के आगमन से पहले मच्छर जनित डेंगू,मलेरिया से बचाव व नियंत्रण के लिए नगर निगम का विशेष दस्ता टीम द्वारा विभिन्न वार्डों के घरों में पहुंचकर सर्वे किया जा रहा है। जो फाइट द बाइट अभियान का एक बड़ा हिसा है। जिसे निगम में शुरू किया गया है।

कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के मार्गदर्शन पर फाइट द बाईट मुहिम के अन्तर्गत नगर निगम में प्रतिदिन वार्ड वार अभियान चल रहा है। निगम द्वारा मौसमी बीमारी एवं डेंगू के रोकथाम हेतु कलेक्टर ऋ चा प्रकाश चौधरी के निर्देश एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के मार्गदर्शन एवं स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के नेतृत्व में विगत 15 दिनों से फाइट द बाइट अभियान चलाया जा रहा है।

इसके अंतर्गत प्रत्येक वार्ड में पृथक से टीम बनाकर कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर स्प्रे पंप के माध्यम से टेमीफास का छिड़काव किया जा रहा है साथ ही उक्त स्थल के आसपास स्थित नाली एवं अन्य स्थानों में भी छिड़काव का कार्य किया जा रहा है। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर निरंतर कार्यवाही जारी है।तालाबों के आस पास की भी सफ़ाई की जा रही है।

बता दे कि इन गतिविधि पर विशेष फोकस किया जा रहा है जिंसमे प्रतिदिन नालियों की तली की सफाई, सार्वजनिक क्षेत्र की सफाई, लगातर झाड़ियों की कटाई, बाजार क्षेत्रो में दुकानदारो द्वारा झिल्ली पन्नी बेचने पर टीम द्वारा कार्रवाही के साथ जुर्माना भी लिया जा रहा है और मुक्कड़ की सफाई मच्छर उन्मूलन कार्य एवं मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए विशेष फोकस, सड़को पर सी एंड डी मलबे की साफसफाई किया जा रहा है।

वार्डो में तय समय निर्धारित कर पहुंच रहा दल- अभियान में वार्डो के घरों तक स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम की टीम पहुंच रही है।निगम स्वास्थ्य विभाग कूलर आदि के साथ ही ऐसी जगहों पर जहां जलस्त्रोत होने की संभावना है नष्ट किये जाने की कार्रवाई की जा रही है।बेकाबू मच्छरों पर नियंत्रण बनाई टीम,पानी टंकी में डेंगू के लार्वा की जांच,कूलरों व पुराने टायर में भरे पानी को नगर निगम ने खाली कराया।

संभागायुक्त एवं कलेक्टर ने किया अधिकारियों के साथ निगम क्षेत्र के दुकानों का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा निर्मित परिसर का मुआयना करने पहुंचे संभागआयुक्त एस.एन.राठौर, कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा निगमायुक्त लोकेश चंद्राकर, एसडीएम श्री मुकेश रावटे, उपायुक्त महेंद्र साहू सहित अधिकारियों के साथ नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत स्थित परिसर एवं दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने दुकानों का उपयोग एवं आरक्षण तथा दुकानों की बिक्री तथा भूमि आवंटन की प्रक्रिया में आने वाली परेशानियों के संबंध में आयुक्त लोकेश चन्द्राकर से चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों के साथ गंज मंडी काम्प्लेक्स,नलघर काम्प्लेक्स, साइंस कॉलेज फील्टर प्लांट के पास प्रस्तावित चौपाटी के अलावा राजेंद्र पार्क के समीप नवनिर्मित फूड जोन का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।उन्होंने नलघर काम्प्लेक्स एवं गंज मंडी काम्प्लेक्स की सुंदरता के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश निगमायुक्त को दिए ताकि दुकानों की सुंदरता के अनुरूप दुकानों की बिक्री हो सके।

आरक्षण को शिथिल करने निगम की सभा में प्रस्ताव प्रस्तुत करने कहा गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भूमि आवंटन की प्रक्रिया में आने वाली दिक्कतों के संबंध में चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश के तहत कार्रवाई करने संबंधित अधिकारियों को कहा।

भीषण गर्मी को देखते हुए पानी सप्लाई में निरंतरता बनी रहे-आयुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर निगम के सभागार में समीक्षा बैठक के दौरान सभी जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उपअभियंता की उपस्थिति में आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने निर्देश दिये कि निगम भिलाई क्षेत्र में कही भी पानी की सप्लाई बाधित न हो। हर नागरिक को पीने का पानी मिले यह सुनिश्चित किया जाये।

इस संबंध में नियमित पेयजल सप्लाई के साथ-साथ निगम क्षेत्र के सभी पावर पम्प, हैण्ड पम्प का संधारण गुणवत्तापूर्वक किया जाये, निगम के संधारण करने वाले दस्ता से यह सुनिश्चित किया जाये की उनके द्वारा पम्पो का संधारण किया जा रहा है वह गुणवत्तापूर्वक हो उसी पावर पम्प में दुबारा शिकायत न मिले उसका समय सीमा निर्धारित किया जावे। निगम के द्वारा सप्लाई पाईप लाईन में कहीं भी लिकेज होने की स्थिति में उसका तत्काल संधारण किया जावे। हैण्ड पम्प में कही भी जलभराव न हो यह भी ध्यान रखा जाये। आवश्यकता हो तो टेंकर से भी सप्लाई नियमित रूप से किया जाये। निगम के इंजिनियर एवं सुपरवाईजर इस बात का ध्यान रखे की जिन बस्तीयो में टेंकर से पानी सप्लाई हो रहा है वहां निर्धारित स्थल एवं समय पर पानी सप्लाई हो। यह शिकायते मिल रही है कि टेंकर सप्लाई करने वाले ड्राईवरो द्वारा चिन्हित स्थल से पहले ही गाड़ी खड़ा कर देते है जिससे नागरिको को परेशानी हो रही है। उसको तुरन्त रोका जाये और ऐसे ड्रायवरो पर कार्यवाही हो, इसके लिए स्थानीय नागरिको से जानकारी प्राप्त किया जाये की पानी समय पर मिल रहा है की नहीं। सभी इंजिनियर एवं सुपरवाईजर इसका निरीक्षण करते रहे। किसी भी नागरिक को पानी की समस्या होने पर निगम के जोन कार्यालय को सूचित करें ।

फ्री होल्ड रजिस्ट्री को लेकर उद्योगपति परेशान, चेंबर ने वित्तमंत्री से मिलकर बताई समस्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में फ्री होल्ड रजिस्ट्री पर आ रही समस्या से उद्योगपति परेशान है। इसके समाधान के चेंबर ऑफकामर्स का प्रतिनिध मंडल महामंत्री अजय भसीन व अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र के नेतृत्व में वित्त व वाणिज्य मंत्री ओपी चौधरी से मिला। इस दौरान फ्री होल्ड रजिस्ट्री व जीएसटी ई-वे बिल पर सघन चर्चा की गई। अजय भसीन द्वारा उद्योग जगत की कई प्रमुख समस्याओ को मंत्री के समक्ष रखा गया।

अजय भसीन ने बताया कि उद्योग में फ्री होल्ड रजिस्ट्री पर आ रही समस्या से उद्योगपति परेशान है। इस समस्या पर त्वरित समाधान की आवश्यकता है। भसीन ने वित्त मंत्री चौधरी को जानकारी देते हुए बताया कि यदि शासन छत्तीसगढ़ में राजस्व व कर वृद्धि चाहता है तो उद्योग व उद्योग नीति पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उद्योग को बढ़ावा देने नीतियों को सरलीकरण की ओर, एकल खिड़की व्यवस्था की ओर ले जाना होगा।

जीएसटी विभाग के नोटिस से व्यापारी

भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्रा ने वित्तमंत्री ओपी चौधरी को बताया कि ईज डूइंग बिजनेस के तहत ई-वे बिल से संबंधित पूर्व अधिसूचना को यथावत रखने तथा राज्य के विभिन्न जिलों के व्यापारियों को जीएसटी विभाग द्वारा दिए गए नोटिस पर स्वत: रोक लगाने प्रदेश भर के व्यापारियों से प्राप्त नोटिस की प्रतिलिपि सहित ज्ञापन सौंपा। उन्होने बताया कि राज्य के विभिन्न जिलों के व्यापारियों को जीएसटी विभाग द्वारा वर्तमान में जीएसटीआर-1 फॉर्म देर से दाखिल करने के लिए जुर्माना नोटिस जारी किया है। विभाग द्वारा अचानक किये गए इस कार्यवाही से व्यापारियों में भय का माहौल है जिसके कारण उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिस पर वित्त एवं वाणिज्यिक कर मंत्री ओपी चौधरी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए उचित कदम उठाने की बात कही।

जीएसटी की जटिलताओं को दूर करने की जरूरत

जीएसटी प्रभारी संजु गेहानी बताया कि जीएसटी व्यवस्था भारत में अप्रत्यक्ष कर संरचना को सुव्यवस्थित करने के लिए शुरू किया गया एक प्रमुख सुधार है। हालांकि इसके कार्यान्वयन के बाद शुरुआती वर्षों में व्यापारियों और अधिकारियों दोनों के सामने कई चुनौतियां थीं। उन्होंने बताया कि नए अधिनियम की जटिलता, पोर्टल की अनभिज्ञता के साथ, अनजाने में त्रुटियां और अनुपालन में देरी हुई। इस अवधि के दौरान, व्यापारी, अधिकारी और कानूनी सलाहकार सभी जीएसटी अधिनियम की बारीकियों और इसके परिचालन तंत्र के बारे में खुद को शिक्षित करने की प्रक्रिया में थे। एक अप्रेल 2021 के बाद जीएसटी आर-1 देरी से फाइल करने पर पेनाल्टी के लिये अभी तक कोई व्यवस्था नहीं की गई है। तत्पश्चात प्रारंभिक वर्षों के दौरान देर से फाइलिंग के लिए जुर्माना लगाना न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है। इसके लिए जीएसटी की जटिलताओं को दूर करने की जरूरत है। चेंबर के प्रतिनिधियों द्वारा रखे गए विषयों पर वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए उचित कदम उठाने की बात कही। इस अवसर पर चेम्बर के सुनील मिश्र, शंकर सचदेव, विशाल छाबड़ा, शिव राज शर्मा, मनोहर कृष्णानी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950